दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादकः अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 117 नई दिल्ली बुधवार 29 अप्रैल, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठः 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

हादसे में छह यात्री घायल

फाजिल्का 28 अप्रैल (निस) फाजिल्का-फिरोजपुर हाईवे पर गांव घुबाया के पास एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया, जहां डेरा ब्यास से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस तूफान के कारण हादसे का शिकार हो गई।जानकारी के मुताबिक, मौसम में अचानक बदलाव के चलते तेज हवाएं और आंधी चली, जिससे सड़क पर पेड़ गिर गया।

बटाला में अंधाधुंध फायरिंग, 2 युवकों की मौत व एक घायल

गुरदासपुर 28 अप्रैल (निस) बटाला के पुलिस स्टेशन घुमान के अधीन आते गांव भोमा में अंधाधुंध फायरिंग की खबर सामने आई है। इस दौरान 2 व्यक्तियों की मौत हो जाने की पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

देश को विकसित बनाने का सपना नारी शक्ति की भूमिका के साथ पूरा होगा-पीएम

वाराणसी में अरबों की परियोजनाओं का शिलान्यास, नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में भाग लिया

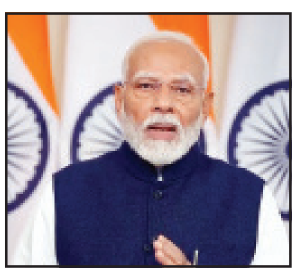

वाराणसी 28 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6332 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद 'नारी वंदन सम्मेलन' को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भारत की नारी शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक नए युग की शुरुआत के लिए माताओं-बहनों का आशीर्वाद लेने आए हैं। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाते हुए महिला आरक्षण को लागू करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कीं, जिससे अधिक से अधिक लड़कियां स्कूल पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश की माताओं-बहनों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया, तब से भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी, माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी, माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि पर बहनों का यह विशाल समागम कार्यक्रम को और अधिक दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे।

उन्होंने कहा कि काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से आम जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे महाराष्ट्र के लोगों को काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या आने के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

केजरीवाल ने हाईकोर्ट की जज स्वर्ण कांता शर्मा का बहिष्कार किया, फिर राजघाट जाकर सत्याग्रह पर बैठे

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (निस) दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का बहिष्कार कर इसे सत्याग्रह का नाम देने वाले अरविंद केजरीवाल अपनी शिकायत लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि स्थल पहुंचे उनके साथ मनीष सिसोदिया, पूर्व सीएम आतिशी और अन्य नेता भी पहुंचे। केजरीवाल ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि वह न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन ऐसी स्थिति पैदा हुई की सत्याग्रह करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपने देश की न्यायप्रणाली का बहुत सम्मान करते हैं। आज हम जो आजाद घूम रहे हैं तो उसका कारण केवल हमारी न्याय प्रणाली है। कुछ ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जिस कारण हमें यह सत्याग्रह करना पड़ रहा है। हमने सभी बातें उस चिट्ठी में लिखी हैं जो कि हमने जज साहिबा को भेजी हैं। यह बेहद संवेदनशील मामला है, इसलिए मीडिया में ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। केजरीवाल ने सुबह सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी थी कि वह दोपहर 12 बजे मनीष सिसोदिया के साथ बापू का आशीर्वाद लेने के राजघाट जाएंगे और आप के अन्य नेताओं ने बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। बता दें अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने शराब घोटाले की सुनवाई कर रहीं दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का बहिष्कार किया है। दोनों नेताओं ने इसे अपना सत्याग्रह बताया है। केजरीवाल ने इसे बापू का सुझाया रास्ता बताते हुए कहा कि पहले उन्होंने अपनी बात जस्टिस स्वर्ण कांता के सामने रखी लेकिन जब उन्होंने इन्हें खारिज कर दिया तो उनके पास सत्याग्रह का ही रास्ता बचा था। केजरीवाल और सिसोदिया ने कहा कि उन्हें जस्टिस स्वर्ण कांता से न्याय की उम्मीद नहीं है। बता दें पिछले दिनों केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 नेताओं को ट्रायल कोर्ट ने आरोप मुक्त कर दिया था।

पंजाब के शंभू में धमाका, अज्ञात शव बरामद, चार आरोपी हथियारों सहित गिरफ्तार

रेल पटरी उड़ाने की थी साजिश, धमाके के बाद समूचे पंजाब में अलर्ट, रेलवे स्टेशनों पर की जा रही चेकिंग

चंडीगढ़/राजपुरा 28 अप्रैल (निस) सोमवार देर रात पटियाला के शंभू इलाके में रेलवे ट्रैक के पास जोरदार धमाके की सूचना मिली है। इस घटना की जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शंभू-अंबाला रेल लाइन के पास से एक अज्ञात शव भी बरामद किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि शव का इस धमाके से कोई संबंध है या नहीं। पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि धमाके से रेलवे ट्रैक को भी नुकसान पहुंचा है। यह घटना रात करीब 10 बजे मालगाड़ियों के लिए निर्धारित रेलवे लाइन के पास हुई। सूचना मिलते ही एसएसपी समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। एसएसपी ने कहा कि यह कम तीव्रता वाला धमाका था। इसके साथ ही एक अज्ञात शव भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिला है। जब एसएसपी से पूछा गया कि क्या मृतक की मौत धमाके में हुई है, तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है। सैंपल एकत्र करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

रेलवे ट्रेक को उड़ाने की थी साजिश

पटियाला के शंभू इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए ब्लास्ट मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। एसएसपी पटियाला वरुण शर्मा ने बताया कि यह धमाका दरअसल रेलवे ट्रैक को उड़ाने की साजिश का हिस्सा था। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति विस्फोटक लेकर ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इसी दौरान अचानक धमाका हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में रेलवे ट्रैक को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस को मौके से एक सिम कार्ड भी बरामद हुआ है, जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। फोरेंसिक टीम द्वारा सैंपल जुटाए गए हैं और मामले की गहन जांच जारी है।

शंभू-अंबाला रेल ट्रैक पर ब्लास्ट का मामला सुलझा, हथियारों सहित 4 गिरफ्तार

पटियाला पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पाकिस्तान **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

भिवानी में बस को लगी आग, दो जिंदा जले

भिवानी 28 अप्रैल (निस) हरियाणा के भिवानी जिले के मिलकपुर गांव के पास सोमवार देर शाम एक निजी बस में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में दो यात्री जिंदा जल गए, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बस भिवानी से हांसी की ओर जा रही थी, तभी मिलकपुर के पास यह हादसा हुआ। देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। घायलों को तत्काल हांसी के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है, जिनकी अभी पहचान नहीं हो पाई है।दोनों मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में पहले जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैली। मिलकपुर गांव के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि धमाका इतना जबरदस्त था कि 150 मीटर दूर उनकी दुकान तक कंपन महसूस हुआ। उन्होंने टायर फटने की आशंका जताई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके पास तीन कॉल आई थी, बताया कि मिलकपुर गांव के पास एक बस की छत फट गई है और उसमें आग लग गई है। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक घायलों को हांसी के अस्पताल ले जाया जा चुका था। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है, जिनकी अभी पहचान नहीं हो पाई है।

शांति वार्ता में बाधाः अमेरिका को नए प्रस्ताव पर शक, परमाणु हथियार रोकना लक्ष्य

तेहरान 28 अप्रैल (निस) अमेरिका ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ऋड्ढह्रष्ठ ऋह्वड्डद्बश ने एक इंटरव्यू में कहा कि मौजूदा हालात में यही असली मुद्दा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मार्को रुबियो ने %फॉक्स न्यूज% को दिए एक साक्षात्कार में ईरान के नये प्रस्ताव पर अपनी राय रखी। दरअसल, ईरान हाल ही में एक नया प्रस्ताव दिया है, जिसमें उसने कहा है कि वह फिलहाल अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत टालने को तैयार है। इसके बदले उसने मांग की है कि यदि अमेरिका अपनी नाकाबंदी हटा ले और युद्ध खत्म कर दे, तो वह होर्मुज जलडमरूमध्य से अपना नियंत्रण हटा लेगा। लेकिन इस प्रस्ताव पर अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया है। रुबियो ने साफ कहा कि अगर ईरान में मौजूदा शासन बना रहता है, तो वह भविष्य में परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश जरूर करेगा। इसलिए किसी भी समझौते का मकसद यही होना चाहिए कि ईरान को इस दिशा में आगे बढ़ने से पूरी तरह रोका जाए।रुबियो ने यह भी कहा कि ईरान बातचीत में माहिर है और अक्सर ऐसे प्रस्ताव देकर समय हासिल करने की कोशिश करता है।

मोदी की गारंटी पर आतिशी के तीखे सवाल, महिलाओं से किए वायदे अधूरे

नई दिल्ली,28 अप्रैल(निस): दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मोदी की गारंटी पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले। आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली।

नशे के कारोबारियों को पाताल से निकाल कर सजा देंगे-शाह, नारकोटिक्स ब्यूरो की सराहना

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (निस) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस बड़ी कार्रवाई की प्रंशसा की है, इसमें तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को भारत वापस लाया गया। इस घटना को भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रवर्तन क्षमता और ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा कि भारत की ड्रग विरोधी नीति जीरो टॉलरेंस पर आधारित है और केंद्र सरकार का लक्ष्य देश में सक्रिय ड्रग कार्टेल्स को पूरी तरह खत्म करना है। उन्होंने लिखा कि भारतीय एजेंसियां अब वैश्विक नेटवर्क के जरिए सीमाओं से बाहर भी अपराधियों तक पहुंच बनाने में सक्षम हुई हैं। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नेतृत्व में की गई एक समन्वित अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन का हिस्सा है। सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में लोकल सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई, जिसे भारत की ओर से (सीबीआई) के अनुरोध पर जारी हुआ था। सूत्रों के अनुसार, सलीम डोला को मंगलवार को विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जहां तकनीकी एयरपोर्ट पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने डोला को अपनी हिरासत में लिया।

भारत की आधी आबादी को अधिक सम्मान दे रही भाजपा-नीतिन नबीन

वाराणसी 28 अप्रैल (निस) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबिन ने मंगलवार को वाराणसी में नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिया गया, जिससे उनका सामाजिक सम्मान बढ़ा है। अपने संबोधन में नीतिन नबिन ने काशी की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है।इसकी संस्कृति महान है।

महिला आरक्षण विधेयक में कई खामियां-कांग्रेस सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान थमने के बाद अब सरकार को महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के बारे में चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने व्यक्तिगत राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का उपयोग करने के बजाय उन्हें न्याय प्रदान करना चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के लिए प्रचार थमने के बाद एक बार फिर उठाई है। उसने और कई अन्य विपक्षी दलों ने पहले भी सरकार से यह आग्रह किया था कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार संपन्न होने के बाद महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सरकार महिला आरक्षण को वर्ष 2029 से लागू करने और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक संसद के बीते बजट सत्र में लाई थी, हालांकि यह पारित नहीं हो पाया। विपक्ष ने यह कहते हुए इसका पुरजोर विरोध किया कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को थोपा जा रहा है।रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, अब जब चुनाव प्रचार समाप्त हो गया है और लोकसभा सीटों के खतरनाक परिसीमन को अंजाम देने की उनकी चाल विपक्षी एकजुटता के कारण बुरी तरह विफल हो गई है, तो प्रधानमंत्री के लिए वह करने का समय आ गया है जो विपक्ष एकजुट होकर मार्च, 2026 के मध्य से लगातार मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को 2029 से लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या के साथ कैसे लागू किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह संभव है। यह वांछनीय है। यह जरूरी है। रमेश ने कहा, संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण कभी मुद्दा नहीं था। तब एजेंडा केवल प्रधानमंत्री के राजनीतिक संरक्षण के लिए परिसीमन था। अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री अपने व्यक्तिगत राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भारत की महिलाओं का उपयोग करने के अपने पापों का प्रायश्चित करें।

फिनलैंड एवं नीदरलैंड के दौरों से काफी अनुभव मिला...

यूरोप यात्रा ने पंजाब के किसानों, उद्योग एवं युवाओं के लिए नए द्वार खोले-सीएम मान

चंडीगढ़, 28 अप्रैल (निस) पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अपने नीदरलैंड-फिनलैंड दौरे का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने कृषि, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में विश्व भर से मजबूत सहयोग हासिल किया है, जिससे किसानों, युवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा।ज़ायका कंपनी के 1300 करोड़ रुपए के निवेश, विश्वव्यापी कंपनियों की दिलचस्पी तथा केउकेनहॉफ से फिनलैंड तक उन्नत कृषि-तकनीकी सहयोग पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये रणनीतिक साझेदारियां फसल विविधीकरण को तेज करेंगी, निवेश को आकर्षित करेंगी और पंजाब को नवाचार, अनुसंधान एवं विकास तथा उच्च गुणवत्ता वाली खेती के लिए विश्व स्तरीय केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित करेंगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले दिन नीदरलैंड में भारत के राजदूत ने पंजाब के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और 19 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध बागवानी मॉडल केउकेनहॉफ का दौरा किया, जहां रोजाना 40,000 पर्यटक आते हैं। वहां हमने प्रतिनिधियों से बातचीत की।मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इस दौरे का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों की पड़ताल करना था। बागवानी के विकास के लिए सहयोग पर चर्चा हुई और पंजाब से गुलाब की निर्यात संभावना का पता लगाया गया। उन्होंने कहा, ज़ायका द्वारा किए जा रहे 1300 करोड़ रुपए के निवेश के अलावा यह समझौता फसल विविधीकरण को बड़ा प्रोत्साहन देने में मुख्य भूमिका निभाएगा।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस दौरे का उद्देश्य औद्योगिक निवेश और साझेदारी को प्रोत्साहित करना, शिक्षा और अनुसंधान में आदान-प्रदान को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी के पारस्परिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करना तथा पंजाब के समग्र विकास के लिए योजना बनाना भी था।उन्होंने आगे कहा, बातचीत के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती में संयुक्त परियोजनाओं की संभावना की पड़ताल की गई तथा इस बात पर सहमति बनी कि उच्च मूल्य वाली फसलों और गुणवत्ता युक्त निर्यात उत्पादन के लिए सहयोग किया जाएगा। इस दौरे ने कौशल विकास और शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों के साथ-साथ नए औद्योगिक निवेशों और साझेदारियों के लिए रास्ते खोले। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी बनाने पर जोर देते हुए प्रौद्योगिकी और नवाचार के आदान-प्रदान पर भी समझौता किया। नीदरलैंड वर्टिकल (लंबवत) खेती के लिए प्रसिद्ध है, जिसे पंजाब में दोहराया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 20 अप्रैल को प्रतिनिधिमंडल ने विश्व बागवानी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

गुजरात में लोकल बॉडी चुनाव में बीजेपी की भारी जीत, विपक्ष का सूपड़ा साफ

अहमदाबाद, 28 अप्रैल (निस) गुजरात लोकल बॉडी चुनाव में बीजेपी ने विपक्ष का सफाया कर दिया है। नगर निगम से लेकर नगर पालिका और जिला पंचायत चुनाव में बीजेपी ने जीत हासिल की है। आईपीएस की नौकरी छोड़कर सियासी पिच पर उतरे मनोज निनामा बीजेपी की सुनामी में भी जीत दर्ज नहीं कर सके। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी से विधायक रहे भूपत भयाली की भी नैया पार नहीं हो सकी। स्थानीय निकाय चुनाव से ठीक पहले मनोज निनामा ने वीआरएस लेकर बीजेपी का दामन थामा था। निनामा गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी थे, लेकिन राजनीति में आने के लिए नौकरी छोड़ दी। इसके बाद बीजेपी के टिकट पर अरावली के शामलाजी तालुका के ओध जिला पंचायत सीट से मैदान में उतरे थे। मनोज निनामा को बीजेपी ने आखिरी समय में प्रत्याशी बनाया था, जिसे लेकर सियासी माहौल काफी गर्म हो गया था। निनामा ने पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा, उसके बाद भी जीत दर्ज नहीं कर सके।

सम्पादकीय

दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुन- संशोधन करना पड़ा। विलय को पुनः परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गईं। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी। जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, नियम, कानून और कायदे से कार्यपालिका और विधायिका काम कर रही है, या नहीं। इसकी समीक्षा का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका के आदेशों का पालन करना कार्यपालिका और विधायिका के लिए अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही और कर्तव्यों को लेकर कमजोर होती हुई दिख रही है। न्यायपालिका में भी सरकारी दबाव, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, जवाबदेही का अभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिसके कारण अब न्यायपालिका के प्रति लोगों का वह विश्वास खत्म हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार अपने हर निर्णय को सही ठहराती है। जब उनका विरोध होता है, तब सरकार कहती है न्यायपालिका चले जाओ। न्यायपालिका जाने पर भी वर्षों तक न्याय नहीं मिलता है। तारीख पर तारीख मिलती रहती है, जो फैसले आ रहे हैं, वह आधे अधूरे होते हैं। जिसके कारण कानून के प्रति आम आदमी को विश्वास नहीं रहा। दल बदल कानून का जिस तरह से दुरुपयोग हुआ है। आसंदी में बैठे हुए अध्यक्ष एवं सभापति जो बहुमत के आधार पर चुने जाते हैं। उन्होंने अपने अधिकारों का पार्टी के हितों के लिए दुरुपयोग किया है। सही समय पर फैसला नहीं दिया, फैसला दिया तो वह नियम और कानून के अनुसार नहीं था। जिसकी लाठी, उसकी भैंस का जो कानून हजारों लाखों वर्ष से चला आ रहा था, वही कानून अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी स्थान ले रहा है। दल बदल कानून में आसंदी अपनी राजनीतिक निष्ठा के अनुसार अलग-अलग निर्णय देती हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी देखने को मिलने लगी है। महाराष्ट्र में जब दल बदल हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के निर्णय और दल बदल को गैर संवैधानिक बताया। इसके बाद भी सरकार चलती रही। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के निर्णय की न्यायिक समीक्षा समय पर नहीं हुई। दल बदलू सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। उसके बाद दूसरा चुनाव भी हो गया। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने राज्यसभा में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में चले गए है। जैसे ही उन्होंने दल बदलने का आवेदन किया। राज्यसभा के सभापति ने बिना किसी सुनवाई के उन्हें भाजपा का सांसद मान लिया। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है, उसके विधायक हैं राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, राज्यसभा के सभापति ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई, दल बदल कानून में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने अपनी आपत्ति राज्यसभा सचिवालय को सौंप दी थी। वर्तमान हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है। संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज, लट्ठ तंत्र के अधीन है। जिसके पास लाठी की ताकत है, कानून उसका ही चलेगा। विधायिका हो, चाहे न्यायपालिका हो या कार्य पालिका हो, लाठी की ताकत से सभी को नियंत्रित होना ही होता है। संविधान की लाठी कमजोर हो गई है। जो मजबूत है, वहीं शासन कर सकता है। अनादि काल से यही सत्य देखते आ रहे हैं, यही सत्य अंत तक बना रहेगा।

दलबदल की दस्तक एवं लोकतंत्र की फिर अग्निपरीक्षा

विनोद कुमार 'तकियावाला'

*वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न — चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है।यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है।यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं—दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी।इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है।यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है।हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का राजा बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दर्शाता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे आया राम,गया राम की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके। वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दर्शाता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है।भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है।

हिल्टन होटल में गोलीबारी निंदनीय एवं अफसोसनाक

- सुनील कुमार महला

गत शनिवार 25 अप्रैल 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति की मौजूदगी में हिल्टन होटल में आयोजित रात्रिभोज कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी वास्तव में बहुत चिंता का विषय है।कितनी बड़ी बात है कि हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया निवासी कोल टॉमस एलन (31) के रूप में हुई है और वह पेशे से शिक्षक है तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस का छात्र होने के साथ ही नासा से जुड़ा हुआ भी रह चुका है। हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वह हिल्टन होटल में पहले से रुका हुआ था।एक शिक्षक द्वारा गोलीबारी सबको विस्मित करता है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि वास्तव में यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधे हमले का इरादा था या विरोध जताने की आपराधिक कोशिश ? जानकारी के अनुसार हमलावर ने 5-7 गोलियां चलाईं थीं और इसमें एक सुरक्षाकर्मी भी घायल हुआ है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिस वक्त गोलियां चलीं, उस समय वहां अमेरिकी राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, रक्षा और विदेश मंत्री सहित अनेक संवाददाता भी मौजूद थे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर हमलावर की तस्वीरें खुद जारी की हैं। उन्होंने बताया है कि संदिग्ध कैलिफोर्निया का रहने वाला है और घटना के समय उसके पास कई हथियार थे। हमलावर के पास अनेक हथियारों का होना तो और भी चिंता की बात है। वास्तव में किसी भी लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होता है और यह हमला बहुत ही निंदनीय और अफसोसजनक है।इस गोलीबारी की घटना से कहीं न कहीं अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की साख पर भी सवाल खड़े होते हैं, क्यों कि दुनिया के सबसे पावरफुल कहे जाने वाले देश के सबसे वीवीआईपी लोगों के रात्रिकालीन भोज में एक बंदूकधारी आखिर कैसे प्रवेश कर

गया ? वास्तव में यह अमेरिकी सुरक्षा व जांच एजेंसियों के लिए गहन जांच का विषय होगा कि इस हमले के पीछे केवल वैचारिक विरोध है, कोई जेहादी मानसिकता या किसी दुश्मन देश की साजिश या ड्रग माफिया की कारस्तानी ? पाठक जानते होंगे कि अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था दुनिया की सबसे मजबूत और बहुस्तरीय प्रणालियों में से एक है। उल्लेखनीय है कि सीक्रेट सर्विस एजेंट्स राष्ट्रपति के साथ-साथ उनके परिवार, उपराष्ट्रपति और हाई-प्रोफाइल नेताओं की सुरक्षा करते हैं और यह सुरक्षा देश और विदेश दोनों जगह रहती है। इतना ही नहीं,सीआइए और एफबीआई के साथ-साथ एनएसए भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काम करती हैं, जिसे सबसे बड़ा गुप्तचर संगठन माना जाता है। अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्रपति और अन्य वीआईपी के लिए बेहद कड़े सुरक्षा इंतजाम मौजूद हैं, बावजूद इसके ऐसी कोताही बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है। हाल फिलहाल, यहां यह बात भी गौर करने की है कि ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रक्षा और खुफिया कार्यों में लगे अनेक अधिकारियों को पद से हटाया है। अतः यहां यक्ष प्रश्न यह भी उठता है कि क्या उनकी नई रक्षा टीम पर्याप्त सशक्त, सक्रिय और सचेत नहीं है? लेकिन इस हमले के बाद इतना तो तय है कि सुरक्षा व्यवस्था अब और अधिक बेहतर तथा चाक-चौबंद कर दी जाएगी।हालांकि, यह कोई पहली घटना नहीं है कि ट्रंप पर हमला हुआ हो। यह तीसरी बार है डोनल्ड ट्रंप को निशाना बनाया गया हो। पाठकों को बताता चलूं कि मार्च 2016 लास वेगस में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार को दौरान एक रैली में सुरक्षा में बड़ी चूक के कारण एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की ओर से पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी। हालांकि , सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया था और पूछताछ में उसने ट्रंप को नुकसान पहुंचाने की मंशा को स्वीकार किया। इसी प्रकार से जुलाई 2024 पेन्सिलवेनिया में ट्रंप पर चुनावी करियर का सबसे खतरनाक हमला हुआ था। इस हमले में हमलावर ने रैली के दौरान छत से ट्रंप को निशाना बनाकर गोली चलाई।उस समय गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्सो को छूकर निकल गई थी। इस हमले में एक दर्शक की मौत हुई और कई घायल हुए। हालांकि,सुरक्षाबलों ने हमलावर को मौके पर ही मार गिराया था।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ समय से दुनियाभर में ट्रंप की नीतियों के आलोचकों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। पिछले कुछ समय से ट्रंप के कुछ समर्थक भी उनका विरोध या असंतोष जताने लगे हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह चाहिए कि वे अपनी रणनीतियों के साथ ही साथ देश-विदेशों में अपने प्रति लगातार बढ़ रही नाराजगी, असंतोष, विरोध आदि के बारे में पूरी ईमानदारी से विचार करें। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों से पूरी दुनिया में समस्याएं कहीं न कहीं बढ़ीं ही हैं। पूरी दुनिया में गैस-तेल संकट, खाद्यान्न संकट, पर्यावरणीय समस्याओं के साथ ही साथ, महंगाई व आर्थिक संकट बढ़े हैं और दुनिया ट्रंप के फैसलों और रणनीतियों से खुश नहीं है।

सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी से होगा समृद्ध राष्ट्र

- सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वास्तव में,इस दिवस का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर काम करने वालों की उचित सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल कर्मचारियों का अधिकार ही नहीं, बल्कि उत्पादकता (प्रोडेक्टीविटी) बढ़ाने और समाज तथा राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए भी अनिवार्य है। सच तो यह है कि कोई भी काम किसी व्यक्ति की जान या उसके स्वास्थ्य से बड़ा नहीं हो सकता। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।हमारे यहां कहा भी गया है कि-पहला सुख निरोगी काया। दुनिया की तमाम धन-दौलत, ऊंचे पद और सुख-सुविधाएं, विलासिता सबकुछ व्यर्थ हैं, यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ न हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ मस्तिष्क ही हमारी रचनात्मक सोच का आधार है और मस्तिष्क व शरीर स्वस्थ होगा तभी कोई मनुष्य कठिन परिश्रम कर सकता है।सच तो यह है कि जब हम स्वस्थ और सुरक्षित होते हैं, तब अधिक रचनात्मक, अधिक उत्पादक बनते हैं और जीवन में सफलता का आधार तैयार करते हैं। स्वस्थ रहकर हम न केवल अपने जीवन का असली आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुरक्षित व सही रख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता कि एक बीमार राजा की तुलना में एक स्वस्थ भिखारी अधिक सुखी और शक्तिशाली होता है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन विश्वभर में विभिन्न श्रमिकों के अधिकारों तथा सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए कार्य करता है।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया में हर वर्ष लाखों लोग कार्यस्थल दुर्घटनाओं या काम से जुड़ी अनेक बीमारियों व रोगों का शिकार होते हैं।विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवसको मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकना, व्यावसायिक रोगों से बचाव करना, कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा एक सुरक्षित, सुंदर व अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि व्यावसायिक रोग वे रोग या बीमारियाँ हैं, जो किसी व्यक्ति को उसके काम, कार्यस्थल या पेशे की परिस्थितियों के कारण हो जाती हैं। अर्थात नौकरी या व्यवसाय से जुड़े वातावरण, रसायनों, धूल, शोर, तनाव, मशीनों या संक्रमण के कारण होने वाले रोग व्यावसायिक रोग कहलाते हैं। आज बहुत से लोग ऐसे कल-कारखानों में काम करते हैं, जहां उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। उदाहरण के तौर पर पटाखों के कारखानों में जलने की दुर्घटनाएं, बारूद की गंध, धुएँ से आंखों व त्वचा के गंभीर और खतरनाक रोग तथा विस्फोट से चोट लगने की घटनाएं होती हैं। बीड़ी बनाने के उद्योगों में खांसी, अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी, त्वचा एलर्जी तथा निकोटीन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। रसायनों के कारखानों में सांस, त्वचा, आंखों, लीवर और फेफड़ों के रोगों का खतरा बना रहता है। इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को व्यावसायिक रोगों का अधिक खतरा इसलिए रहता है, क्योंकि वहां धूल, धुआँ, जहरीले पदार्थ, आग, विस्फोट, तेज गंध और लगातार संपर्क जैसी परिस्थितियाँ होती हैं। बहरहाल, यदि यहां सरल शब्दों में कहा जाए तो धूल भरे कारखानों में काम करने वालों को फेफड़ों की बीमारियाँ, जैसे अस्थमा और सिलिकोसिस, हो सकती हैं। रसायनों के संपर्क से त्वचा रोग उत्पन्न हो सकते हैं, विशेषकर फैक्ट्री, लैब या सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को। बहुत तेज़ शोर में काम करने से सुनने की समस्या उत्पन्न हो सकती है, विशेषकर मशीनरी उद्योगों में। कार्यालय कर्मियों में लंबे समय तक कंप्यूटर पर बैठने से गर्दन व कमर दर्द की समस्या होती है। अत्यधिक तनाव से मानसिक समस्याएँ, जैसे चिंता और अवसाद, बढ़ सकती हैं। अस्पताल कर्मियों में संक्रमण का खतरा बना रहता है, जैसे हेपेटाइटिस बी तथा कोविड। ऐसे उद्योगों और कार्यस्थलों पर काम करने वालों के लिए मास्क, दस्ताने, वेंटिलेशन, प्रशिक्षण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा सुरक्षा कानूनों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह दिवस हर वर्ष मनाया जाता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कार्यस्थलों पर हाल के वर्षों में हुई कुछ बड़ी दुर्घटनाएं हुईं हैं। मसलन, इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ती स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 25 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इसी वर्ष तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 25 से अधिक लोगों की जान गई। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के देजॉन की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है कि इस दिवस का नारा माना जाता है-सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र। सच तो यह है कि इस दिवस का सीधा संदेश यही है कि कार्यस्थल पर काम बहुत जरूरी है, लेकिन मनुष्य जीवन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। पेशेवर जोखिमों से कर्मचारियों को बचाना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देना है, ताकि काम से संबंधित मौतों और चोटों की संख्या कम की जा सके।

सीएम रेखा गुप्ता के दौरे के बाद जीएसटी विभाग में कड़ा एक्शन, 162 अधिकारियों का अचानक तबादला

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ट्रेड एंड टैक्सेस (जीएसटी) विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। 8 अप्रैल 2026 को विभाग के दौरे के दौरान सामने आई अनियमितताओं पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर व्यापक स्तर पर तबादले किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस सख्त कदम के तहत तीन असिस्टेंट कमिश्नर सहित कुल 162 अधिकारियों और कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया है, जो लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात थे। इसमें 58 सेक्शन ऑफिसर ग्रेड-1, 22 असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर ग्रेड-2, 74 सीनियर असिस्टेंट ग्रेड-3 और 5 जूनियर असिस्टेंट ग्रेड-4 शामिल हैं।

दिल्ली- एनसीआर में ईडी का ऐक्शन, रहेजा डेवलपर्स के 7 ठिकानों पर मारा छापा

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) दिल्ली और आसपास के इलाकों में ईडी के छापे लगातार जारी हैं। शनिवार सुबह ईडी जोन दिल्ली की टीम ने रहेजा डेवलपर्स के निदेशकों और उनकी संस्थाओं से जुड़े एनसीआर के 7 ठिकानों पर छापा मारा। रहेजा डेवलपर्स पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली और आसपास के इलाकों में ईडी के छापे लगातार जारी हैं। शनिवार सुबह ईडी जोन दिल्ली की टीम ने रहेजा डेवलपर्स के निदेशकों और उनकी संस्थाओं से जुड़े एनसीआर के 7 ठिकानों पर छापा मारा। ईडी ने ये छापेमारी घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी करने और उनके प्रोजेक्ट में फ्लैट्स की डिलीवरी न देने के मामले में की है। रहेजा डेवलपर्स पर आरोप है कि उन्होंने घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी की है। इस मामले में ईडी ने छापा मारा है। मिली जानकारी के अनुसार, रहेजा डेवलपर्स के रहेजा रेवंता प्रोजेक्ट में फ्लैट्स की डिलीवरी न देने के मामले में ईडी जांच कर रही है। इस दौरान रहेजा डेवलपर्स के 7 ठिकानों पर छापा मारा गया है।

दिल्ली के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के महिला शौचालय में मिला पुरुष का शव,

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के महिला शौचालय में पुरुष का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शौचालय अंदर से बंद पाया गया। शौचालय में दुर्गंध आने के बाद दरवाजा तोड़ा गया और शव को बाहर निकाला गया। मेट्रो पुलिस के अनुसार, पहली नज़र में शव शौचालय के केयर टेकर का है। एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसे आखिरी बार दो दिन पहले देखा गया था। शनिवार शाम 7:33 बजे एनएसपी मेट्रो स्टेशन पुलिस को इस संबंध में पीसीआर काल मिली। काल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि लेडीज टॉयलेट अंदर से बंद है और काफी बदबू आ रही है। इसके बाद पुलिस सुलभ टायलेट काम्प्लेक्स पहुंची, जहां महिला शौचालय अंदर से बंद था, दरवाजा तोड़ा गया, जहां करीब 40 साल के एक अनजान आदमी की लाश लटकी हुई मिली।

गुजरात निकाय चुनाव के बीच आप का इंस्टाग्राम सस्पेंड

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) गुजरात में चल रहे स्थानीय निकायों के चुनाव के बीच आप की गुजरात यूनिट का इंस्टाग्राम इंटरनेट मीडिया हैंडल सस्पेंड कर दिया गया। पार्टी नेताओं ने शनिवार को आरोप लगाया कि यह कदम वोटरों के बीच पार्टी के बढ़ते सपोर्ट को लेकर भाजपा के डर को दिखाता है। यह घटनाक्रम राघव चड्ढा समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों के संगठन छोड़ने के एक दिन बाद हुआ है। इस पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, आतिशी व संजय सिंह आदि ने प्रतिक्रिया दी है। कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी के इंटरनेट मीडिया फेसबुक पेज और इंस्टा पेज ब्लाक किए गए। कहा कि भाजपा आखिर इतना क्यों डरी हुई है?

बिजली उपभोक्ताओं के लिए आने वाली है मुश्किल कांग्रेस ने किया दरों में बढ़ोतरी का दावा

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) कांग्रेस का दावा है कि दिल्ली सरकार की सक्रियता की कमी के चलते उपभोक्ताओं को राहत मिलने की संभावना खत्म हो गई है और अब इसका सीधा असर बिजली बिलों पर दिखेगा। दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं के लिए आने वाले महीने मुश्किल भरे हो सकते हैं। देवेन्द्र यादव ने दावा किया है कि सरकार की निष्क्रियता के कारण अब बिजली दरों में तेज बढ़ोतरी लगभग तय मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि बिजली अपीलेट ट्रिब्यूनल ने दिल्ली विद्युत नियामक आयोग की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें 38,500 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए अधिक समय मांगा गया था। इस फैसले के बाद अब पुराना बकाया कम समय में वसूला जाएगा, जिससे सीधे उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने बिजली कंपनियों को दरें बढ़ाने की अनुमति दी तो दिल्ली में बिजली बिलों में 70 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका असर अप्रैल 2026 से रिहायशी और व्यावसायिक दोनों उपभोक्ताओं पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनियां यह दावा कर रही हैं कि कई वर्षों से दरें नहीं बढ़ाई गई, जबकि वास्तविकता यह है कि पीपीएसी और सरचार्ज के जरिए पिछले 2-3 साल में ही 30-40 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है। यादव ने आरोप लगाया कि बिजली कंपनियां लगातार मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन उपभोक्ताओं को कभी राहत नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड और टाटा दिल्ली पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड पर हजारों करोड़ का बकाया वर्षों से लंबित है। यह राशि करीब 38,552 करोड़ रुपये की नियामक संपत्ति के रूप में दर्ज है, जिसे अब उपभोक्ताओं से वसूलने की बात कही जा रही है।

अरविंद केजरीवाल और सिसोदिया बढ़ाएंगे राघव चड्ढा की मुश्किलें

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) मनीष सिसोदिया ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने पार्टी में टूट और इसके संभावित प्रभाव और भविष्य की रणनीति पर भी चर्चा की। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी (आप) के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने के दावे के बाद राजनीति गरमाई हुई है। इस बीच आम आदमी पार्टी ने इस संकट को लेकर अब नई रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी नेताओं के बीच स्थिति को लेकर विचार-विमर्श जारी है। शुक्रवार (24 अप्रैल) को देर रात, गुजरात दौरे से लौटने के बाद, पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की।

1 मई को प्रतीकात्मक श्रमदान के साथ बिलासपुर एयरपोर्ट रनवे विस्तार की मांग

बिलासपुर 28 अप्रैल (निस) हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति बिलासपुर एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 1490 मीटर से बढ़ाकर कम से कम 2200 मीटर किए जाने की मांग के समर्थन में 1 मई मजदूर दिवस के दिन प्रतीकात्मक श्रमदान का कार्यक्रम करेगी। यह कार्यक्रम एयरपोर्ट चौक चकरभाठा में 1 मई को सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा सभा के पश्चात तेलसरा गांव में जहां एयरपोर्ट की दक्षिणी सीमा समाप्त होती है वहां सेना के कब्जे से मिली जमीन में प्रतीकात्मक श्रमदान किया जाएगा। गौरतलब है कि बिलासपुर एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई केवल 1490 मीटर है और इस लंबाई में बोइंग और एयरबस तो छोड़ बम्बार्डियर और अंब्रेरर जैसे विमान भी नहीं उतर सकते। गर्मी के दिनों में एकमात्र चल सकने वाला विमान ऐ टी आर 600 भी पूरे लोड के साथ नहीं चल सकता और सवारी घटनी पड़ती है। एक तरीका जाए तो बिलासपुर का एयरपोर्ट 3ए श्रेणी में भी आधा अधूरा एयरपोर्ट ही है। बिलासपुर के मुकाबले छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर में 2700 मी अंबिकापुर में 1920 मी और जगदलपुर में 1707 मी का रनवे है। बिलासपुर में रनवे की लंबाई बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय से 290 एकड़ जमीन वापस मिल जाने के बाद अब प्रथम चरण में से 2200 मीटर तक बढ़ाने की योजना है। परंतु इस पर अभी तक कोई सार्थक पहल कार्य शुरू करने के लिए नहीं हुई है। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा कि इस प्रतीकात्मक श्रमदान के कार्यक्रम करने से राज्य और केंद्र सरकार के समक्ष बिलासपुर की जनता की रनवे विस्तार की मांग प्रमुखता से उभर कर सामने आएगी। समिति ने आगे बताया कि एयरबस और बोइंग विमान न केवल तेज गति से चलते हैं बल्कि उनके प्रति सीट प्रति घंटे उड़ान का खर्चा भी छोटे विमान की तुलना में काम आता है। इस कारण बड़े विमान से यात्रा करने पर किराया काम होता है और छोटे विमान से यात्रा करने पर किराया अधिक। वर्तमान में बिलासपुर से बोइंग और और बस की सेवा न होने के कारण या तो किराए अधिक होंगे या राज्य सरकार को सब्सिडी के सहारे ही यह उड़ने चल सकेंगी। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने इस कार्यक्रम के लिए एसडीएम बिल्हा तहसीलदार चकरभाठा एवं पुलिस स्टेशन चकरभाठा को सूचना दे दी है और साथ ही साथ आंदोलन में भागीदार रहे अन्य जन संगठनों के व्यक्तियों को भी आमंत्रित करना प्रारंभ कर दिया है। हवाई सुविधा जल संघर्ष समिति का महा धरना आज भी जारी रहा और आज आगमन के क्रम से रवि बनर्जी, रामशरण यादव ,बद्री यादव, ऋषि राज गौतम विजय वर्मा ,आशुतोष शर्मा ,मजहर खान, शिरीष कश्यप मनोज श्रीवास ,मनोज तिवारी , शिरीष कश्यप विभूतिभूषण गौतम, संतोष पीपलवा , केशव गोरख, दीपक कश्यप, महेश दुबे टाटा, समीर अहमद बबला ,राघवेंद्र सिंह ठाकुर, प्रतीक तिवारी , चित्रकांत श्रीवास, रमाशंकर बघेल ,एस आर टाटा ,प्रशांत सिंह मोहसिन अली और सुदीप श्रीवास्तव शामिल थे।

आईजीआरएस में फर्जी निस्तारण का आरोप: पहले दिया संस्तुति, फिर पलट दिया रिपोर्ट,पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया मामले की जांच की मांग

बस्ती 28 अप्रैल (निस) आयुष विभाग का विवाद अब सिर्फ आरोपों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। भानपुर बाबू निवासी मनोज सिंह ने आरोप लगाया है कि क्षेत्रीय आयुष अधिकारी डॉ. जगदीश यादव और आईजीआरएस पटल पर तैनात कर्मचारी विकास सिंह ने पैसे लेकर न केवल भ्रामक रिपोर्ट तैयार की, बल्कि पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों ने खुद मौके का सर्वे कर प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन को उपयुक्त बताते हुए संस्तुति दी थी, वही अब अपनी ही रिपोर्ट से पलट गए। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सब कुछ ठीक अचानक सब कुछ गलत हो गया? यह यू-टर्न महज लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित खेल की ओर इशारा करता है। आरोप है कि भानपुर तहसील के ग्रामसभा लोढ़वा, नथवापुर में भूमि आवंटन और विभागीय मंजूरी के बावजूद, आईजीआरएस पर शिकायत आते ही बिना स्थलीय निरीक्षण की फाइल निपटा दी गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि कागजों में ही पूरा खेल कर दिया गया और जमीनी सच्चाई को दरकिनार कर दिया गया। मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस सम्बन्ध में रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मनोज सिंह ने दो टूक कहा है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी अपनी जिम्मेदारी भूलकर योजनाओं को कमाई का जरिया बना रहे हैं, जिससे सरकार की मंशा और जनता दोनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अब यह मामला प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा बन चुका है, क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या फिर फाइलों के नीचे दबाकर मामला ठंडा कर दिया जाएगा, यही सबसे बड़ा सवाल है।

विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार

गाजीपुर जनपद के करण्डा थाना क्षेत्र के कटरिया गांव में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार के बाद शव को गंगा नदी में फेंक देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा और द अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा जिलाध्यक्ष चौथीराम के नेतृत्व में पदाधिकारियों और विश्वकर्मा समाज के लोगों ने राज्यपाल को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। राज्यपाल को भेजे 6 सूत्रीय ज्ञापन में पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के ऊपर हुये हमले के दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किये जाने, निशा विश्वकर्मा के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाये जाने, निशा विश्वकर्मा के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा दिलाये जाने, पीड़ित परिवार की सुरक्षा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह आशु के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे जाने, सीओ सिटी और थानाध्यक्ष करण्डा सहित लापरवाही बरतने वाले सम्बंधित पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किये जाने आदि की मांग शामिल है।

नारी शक्ति के नाम पर छल- महिला कांग्रेस का हमला, महिला आरक्षण पर केंद्र सरकार को घेरा

बिलासपुर 28 अप्रैल (निस) जिला कांग्रेस महिला कमेटी ने कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता कर संसद में पेश नारी शक्ति वंदन से जुड़े विधायी घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी। महिला नेताओं ने विधेयक के गिरने को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व पर सीधा हमला बोला और इसे देश की महिलाओं के साथ बड़ा छल करार दिया। पूर्व महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि संसद में जो परिसीमन से जुड़ा विधेयक लाया गया, उसके साथ महिला आरक्षण को जोडकर देश की आधी आबादी को गुमराह करने की कोशिश हुई। उनका आरोप है कि महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर असल में परिसीमन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई गई, जो अंततः विफल रही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को अब तक लागू नहीं किया गया, जबकि राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद इसे जमीन पर उतरना चाहिए था। इसके उलट सरकार ने इसे परिसीमन और जनगणना से जोडकर टालने की कोशिश की। हेमा देशमुख ने मांग रखी कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है, तो वर्तमान लोकसभा की 543 सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण तत्काल लागू किया जाए। परिसीमन का इंतजार किए बिना संशोधन के जरिए इसे लागू किया जा सकता है। प्रेसवार्ता में यह भी कहा गया कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं को जो आरक्षण मिला, वह कांग्रेस सरकारों की पहल का परिणाम है। राजीव गांधी के समय से शुरू हुई पहल को आगे बढ़ाते हुए नरसिम्हा राव सरकार ने इसे संवैधानिक रूप दिया, जिसके चलते आज देशभर में लाखों निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय हैं। महिला कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण को लेकर लगातार भ्रम और गलत जानकारी फैला रही है। पार्टी ने यह भी कहा कि यदि परिसीमन करना है तो 2011 की जनगणना के बजाय नई जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया जाए, ताकि सभी वर्गों को न्याय मिल सके। प्रेसवार्ता में जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सिद्धांशु मिश्रा, ग्रामीण अध्यक्ष महंत गंगोत्री सहित महिला पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस ने संकेत दिया कि आने वाले समय में इस मुद्दे को लेकर जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा।

सरकंडा पुलिस की मुस्तैदी से 3 लाख का भूला बैग मिला, मालिक को सौंपा

बिलासपुर 28 अप्रैल (निस) शहर में सरकंडा पुलिस ने ईमानदारी और तत्परता का उदाहरण पेश करते हुए करीब 3 लाख रुपए मूल्य के सोना-चांदी और कपड़ों से भरा भूला हुआ बैग उसके असली मालिक को सुरक्षित लौटा दिया। पुलिस की इस कार्यवाही की क्षेत्र में सराहना हो रही है। सरकंडा टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि, 21 अप्रैल की देर रात करीब 1:30 बजे झारखंड के पलामू जिले के हैदर नगर निवासी 27 वर्षीय शेख आलमगीर बिलासपुर अपने ससुराल आया था। बस से उतरने के बाद वह शिवघाट के पास अपना बैग भूल गया, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण और कपड़े रखे हुए थे। पुलिस को तत्परता से मिला सुराग रात्रि गश्त के दौरान सरकंडा पुलिस को लावारिस बैग मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने तुरंत बैग को सुरक्षित थाने में रख लिया और उसके मालिक की तलाश शुरू की। इसके लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। सीसीटीवी से हुई पहचान फुटेज के आधार पर बैग मालिक की पहचान शेख आलमगीर के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने उसे संपर्क कर थाने बुलाया। बैग में लगे ताले को खुलवाकर जांच की गई, जिसमें करीब 3 लाख रुपए मूल्य के सोना-चांदी और कपड़े पाए गए। मालिक ने जताया आभार अपना कीमती सामान सुरक्षित वापस पाकर शेख आलमगीर ने बिलासपुर पुलिस का आभार जताया और उनकी ईमानदारी की सराहना की।

मंच पर भाषण, हॉल में वीरानी: भाजपा का 'जनआक्रोश' फ्लॉप शो

बिलासपुर 28 अप्रैल (निस) जनआक्रोश' के नाम पर बुलाया गया सम्मेलन, लेकिन हॉल में गूंजती रही खामोशी। भाजपा महिला मोर्चा के जिला स्तरीय आयोजन ने मुद्दों से ज्यादा संगठन की अंदरूनी स्थिति को बेनकाब कर दिया। मंच सजा, चेहरे दमके, लेकिन सामने बैठने वाला जनसमर्थन नदारद रहा—और यहीं से शुरू हो गई असल कहानी। कार्यक्रम में शहर की प्रमुख महिला पदाधिकारी मौजूद रहीं। मेयर पूजा विधानी समेत कई वरिष्ठ चेहरे मंच पर दिखाई दिए। भाषणों की तैयारी भी पूरी थी, लेकिन जैसे ही नजर हॉल पर गई, तस्वीर बदल गई—आधी से ज्यादा कुर्सियाँ खाली। जिस सम्मेलन को 'जनआक्रोश' की ताकत दिखानी थी, वहीं कार्यकर्ताओं की गैरमौजूदगी ने सवालों का पहाड़ खड़ा कर दिया। स्थिति इतनी असहज रही कि मेयर पूजा विधानी को खुद मंच से प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने कार्यकर्ताओं की कम उपस्थिति पर हैरानी जताई। यह प्रतिक्रिया सिर्फ औपचारिक नहीं थी—बल्कि उस बेचैनी का संकेत थी, जो संगठन के भीतर पनप रही है। सम्मेलन का एजेंडा नारी शक्ति वंदन जैसे राष्ट्रीय मुद्दे पर केंद्रित था, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और ही कहानी कहती दिखी। पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही उपेक्षा, पद वितरण में असंतुलन और कार्यकर्ताओं की अनदेखी—इन सबका असर इस आयोजन में साफ दिखाई दिया। जो कार्यकर्ता चुनावी समय में सबसे आगे रहते हैं, वही इस बार दूरी बनाकर खड़े नजर आए। इस आयोजन में सबसे ज्यादा चर्चा भाषणों की नहीं, बल्कि खाली कुर्सियों की रही। यह दृश्य अपने आप में एक 'मौन विरोध' था—एक ऐसा संदेश, जिसे शब्दों की जरूरत नहीं पड़ी। स्थानीय राजनीति में इसे कार्यकर्ताओं की तरफ से साफ संकेत माना जा रहा है कि अब सिर्फ दिखावे की राजनीति और मंचीय प्रदर्शन से बात नहीं बनेगी। यह पूरा घटनाक्रम भाजपा संगठन के लिए सिर्फ एक असफल कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक गंभीर संकेत है। अगर जमीनी स्तर पर नाराजगी को समय रहते नहीं संभाला गया, तो इसका असर आने वाले चुनावी समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स ने किया अनफालो, राजनीतिक तौर पर पड़ेगा इसका असर

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (निस) राघव चड्ढा के हालिया राजनीतिक फैसले के बाद उनकी सोशल मीडिया लोकप्रियता में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स में भारी कमी देखी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 24 घंटे के भीतर ही उनके करीब 12 लाख से अधिक फॉलोअर्स कम हो गए। पहले जहां उनके फॉलोअर्स की संख्या लगभग 1.46 करोड़ थी, वहीं यह घटकर करीब एक करोड़ 24 लाख के आसपास पहुंच गई है। राघव चड्ढा हाल के वर्षों में संसद और सार्वजनिक मंचों पर कई मुद्दों को लेकर चर्चा में रहे हैं। उन्होंने मोबाइल रिचार्ज के बावजूद फ्री इनकमिंग, पैटरनिटी लीव और हवाई अड्डों पर सस्ते भोजन जैसी सुविधाओं को लेकर आवाज उठाई थी, जिससे उनकी युवाओं के बीच लोकप्रियता काफी बढ़ी थी। हालांकि, उनके राजनीतिक रुख में बदलाव के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया बदलती दिख रही है। खासकर युवाओं और जेन-जी वर्ग में निराशा की चर्चा हो रही है, जिसे उनकी फॉलोअर्स संख्या में गिरावट का एक कारण माना जा रहा है।

दिल्ली- एनसीआर में ईडी का ऐक्शन, रहेजा डेवलपर्स के 7 ठिकानों पर मारा छापा

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) दिल्ली और आसपास के इलाकों में ईडी के छापे लगातार जारी हैं। शनिवार सुबह ईडी जोन दिल्ली की टीम ने रहेजा डेवलपर्स के निदेशकों और उनकी संस्थाओं से जुड़े एनसीआर के 7 ठिकानों पर छापा मारा। रहेजा डेवलपर्स पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली और आसपास के इलाकों में ईडी के छापे लगातार जारी हैं। शनिवार सुबह ईडी जोन दिल्ली की टीम ने रहेजा डेवलपर्स के निदेशकों और उनकी संस्थाओं से जुड़े एनसीआर के 7 ठिकानों पर छापा मारा। ईडी ने ये छापेमारी घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी करने और उनके प्रोजेक्ट में फ्लैट्स की डिलीवरी न देने के मामले में की है। रहेजा डेवलपर्स पर आरोप है कि उन्होंने घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी की है। इस मामले में ईडी ने छापा मारा है। मिली जानकारी के अनुसार, रहेजा डेवलपर्स के रहेजा रेवंता प्रोजेक्ट में फ्लैट्स की डिलीवरी न देने के मामले में ईडी जांच कर रही है। इस दौरान रहेजा डेवलपर्स के 7 ठिकानों पर छापा मारा गया है।

दिल्ली के जगतपुर में तालाब बनी सड़क, लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस)जगतपुर में नाले में पानी के रुकने के कारण सड़क तालाब बनी हुई है। लगभग दो माह से अधिक समय से पानी का निकास न होने के कारण नाले के गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। जिसके कारण लगभग आधा दर्जन रिहायशी क्षेत्रों के 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित है। सड़क मार्ग से गुजरने वाले लगभग तीन हजार से अधिक स्कूटी बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लगभग डेढ़ किलोमीटर की जगत मेन रोड के 300 मीटर का हिस्सा बदहाल पड़ा है। सड़क में अनगिनत गड्ढे और छह इंच तक पानी भरा हुआ है। राधा कृष्ण मंदिर के आसपास जलभराव के कारण लोग गंदे पानी के बीच जोखिम उठाकर निकलने को मजबूर है। सड़क मार्ग पर नाले के किनारे से लोग ईंट-पत्थर से रखकर बनाए हुए रास्ते से गुजरते दिखें। नाले से निकाली गई सड़क पर डाल दी गई। जो बहकर वापस नाले में जा रही है। लंबे समय से गंदे पानी के जलजमाव के कारण आसपास बदबू व मच्छरों की भरमार हो चुकी है। जिसके कारण बीमारी व हादसे की आशंका भी बनी हुई है। सड़क की बदहाली के कारण कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुके है। सड़क मार्ग पर दुकानदारों का व्यापार भी ठप हो चुका है। जिसके कारण दुकानों पर ताले लगाकर जाने लगे है।

महंगे सुधार और पुर्जों की कमी से दम तोड़ रही भारत की मरम्मत संस्कृति

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) दिल्ली और एनसीआर सहित पूरा भारत अपनी जुगाड़ और पुराने सामान को मरम्मत कराकर चलाने वाली संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन हालिया अध्ययन बताते हैं कि बढ़ती खरीदारी और तकनीक के दौर में भारत की यह पारंपरिक रिपेयर संस्कृति अब खतरे में है। पर्यावरण थिंक टैंक टाक्सिक लिंक की नई रिपोर्ट के अनुसार महंगे रिपेयर खर्च और पुर्जों की कमी के कारण भारतीय अब मरम्मत के बजाय नया सामान खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार बढ़ते ई-कचरे से निपटने के लिए केवल रिसाइक्लिंग काफी नहीं है। अगर भारत को टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ना है, तो उसे अपनी पुरानी मरम्मत संस्कृति को आधुनिक कलेवर में वापस लाना होगा। ताकि भविष्य में ये लोगों के लिए मुसीबत नहीं बने। कहीं मजबूरी, कहीं पसंद यह अध्ययन दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, नागपुर और रांची जैसे पांच प्रमुख शहरों में किया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बदलेगा मौसम का मिजाज, धूल भरी आंधी और बारिश के आसार

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) दिल्ली वासियों को जल्द ही धूल भरी आंधी और वर्षा के चलते तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे पारे में भी कमी दर्ज की जाएगी। हालांकि, सोमवार को दिल्ली के कुछ इलाकों में लू का असर बरकरार रह सकता है। रविवार को सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, धूप और तीखी होती गई, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री ऊपर यानी 42.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस दौरान हवा की रफ्तार 20 से 30 किमी प्रति घंटे रही और नमी का स्तर 22 से 60 प्रतिशत के बीच दर्ज किया गया। राहत की बात यह है कि पिछले तीन दिनों से जारी लू के प्रकोप में रविवार को मामूली कमी देखी गई। शनिवार को तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस था, जो बादलों की आवाजाही के कारण रविवार को 0.7 डिग्री गिर गया। मौसम विभाग के मानकों के मुताबिक, रविवार को तकनीकी तौर पर लू की स्थिति नहीं रही, जिससे दिल्लीवालों को झुलसाने वाली गर्मी से हल्की सी राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार, हर पांच दिन में सामान्य तापमान के मानक को अपडेट किया जाता है। 21-25 अप्रैल के लिए, यह मानक 37.7 डिग्री था, जो 26-30 अप्रैल के लिए बढ़कर 39.0 डिग्री सेल्सियस हो गया है। मानक बढ़ने के कारण वास्तविक तापमान और सामान्य के बीच का अंतर कम हो गया, जिससे फिलहाल लू की स्थिति तकनीकी रूप से दर्ज नहीं हुई।

वजन घटाने के लिए सुपर फूडस का इस्तेमाल करें

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं।

कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है।

चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें 24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फ्लेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखता है, क्रेविंग को कम करता है और लंबे समय तक आपके पेट को भरा महसूस कराता है।

क्विनोआ पोषण का दोगुना पंच देता है क्योंकि इसमें फाइबर और प्रोटीन दोनों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यह ग्लूटेन मुक्त होने के साथ कंप्लीट प्रोटीन भी है। यह मूलतः एक बीज है, जिसे अनाज के तौर पर खाया जाता है। क्विनोआ तीन तरह के होते हैं- सफेद, लाल और काला। इसे अमूमन ऑर्गेनिक तौर पर ही उगाया जाता है। इसमें फ्लेवेनॉयड्स होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। अन्य अनाजों की तुलना में क्विनोआ में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। क्विनोआ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स करीब 53 है, जो काफी कम है। शोध यह भी बताते हैं कि क्विनोआ मेटाबोलिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में लाभदायक है। वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए क्विनोआ फायदेमंद है क्योंकि वजन कम करने के लिए हमें कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

अलसी के बीज सालों से हमारे आस-पास ही हैं और एग्जॉटिक नहीं है, इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि यह हमारे संतुलित आहार के लिए पर्याप्त नहीं। सच तो यह है कि अलसी के बीज कमाल के होते हैं! यह न केवल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करता है बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स का बड़ा भाग होता है। इसे लिग्नैन्स कहा जाता है, जिसमें कैंसर से लडने् के गुण मौजूद हैं। साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलित करने में मददगार हैं। यह सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि यह रोजाना की ऊर्जा और वजन कम करने में लाभदायक हैं। अलसी के बीजों की खासियत यह है कि ये किसी भी डिश में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। चाहें तो इन्हें ओटमील पर छिड़क लीजिए या ग्रैनोला में या दही पर या अपने स्मूदी में मिला लीजिए।

खुश रहने करें सूखे मेवे का नाश्ता -सुबह उठते ही कुछ लोग गुस्से में दिखते हैं या अवसाद ग्रस्त नजर आते हैं। ऐसे में हमें समझ नहीं आता कि क्या किया जाये। अगर आप के साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो अपने खान-पान पर ध्यान दें। बात इतनी सी है कि खान पान का असर सेहत के साथ ही दिमाग पर भी पड़ता है। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं जो सेहत के साथ-साथ मूड को भी ठीक रखते हैं। आइए जानते हैं इसमें से कौन से एक चीज खाने से किस तरह आप पूरा दिन खुश रहेंगे।

सूखे मेवे -नाशते में एक मुट्ठी सूखे मेवों का सेवन जरूर करें। इसमें आप बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश आदि किसी भी तरह का मेवा खा सकते हैं। इसमें मौजूद सेलेनियम नामक खनिज पदार्थ चिंता, थकावट, उदासी आदि कम करने में मददगार है। इससे आप अच्छा और तरोताजा महसूस करेंगे।

चॉकलेट-हर समय खुद को दुखी महसूस करते हैं तो चॉकलेट का सेवन करें। चॉकलेट में मौजूद अनांड़माइन तत्व मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को बनाए रखने में मददगार है। इससे आप तनाव मुक्त महसूस करने लगेगे और मन भी शांत बना रहेगा।

पास्ता-साबुत अनाज से बना पास्ता हैल्दी फूड की लिस्ट में शामिल है। इसमें पाई जाने वाली मैग्निशियम की मात्रा तनाव के स्तर को कम करती है।

पालक-पालक में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें आयरन, विटामिन ए और सी जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। एनर्जी से भरपूर रहने के लिए पालक का सेवन जरूर करें।

ओट्स ब्रेड-नाश्ते में व्हाइट ब्रेड की जगह पर साबुत अनाज से बनी डबल रोटी मैग्नीशियम की कमी को पूरा करती है। सारा दिन तनाव मुक्त रहने के लिए नाश्ते में इस ब्रेड से बना टोस्ट या फिर सैंडविच खाना फायदेमंद है।

डायबिटिज मरीजों के लिए शराब पीना बेहद खतरनाक

भारत में डायबिटीज के मरीजों का आंकडा अगले कुछ सालों में 15 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। दुनिया भर में डायबिटिज एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन गई है, जहां 10 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। इस महामारी से प्रभावित मरीजों को अपने ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए दवाइयों, इंसुलिन, और सख्त जीवनशैली नियमों का पालन करना पड़ता है।

इसी क्रम में, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डायबिटीज के मरीजों के लिए शराब के सेवन को बेहद खतरनाक बताया है, क्योंकि यह सीधे तौर पर ब्लड शुगर के स्तर को अस्थिर कर देता है और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। ऐसे मरीजों को शराब का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, शराब का सबसे गहरा प्रभाव लिवर पर पड़ता है, जो शरीर में ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब कोई व्यक्ति शराब का सेवन करता है, तो लिवर अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी, यानी ग्लूकोज को नियंत्रित करने के बजाय शराब को मेटाबोलाइज करने में व्यस्त हो जाता है। इस प्रक्रिया के कारण, रक्त में ग्लूकोज का स्तर अचानक और नाटकीय रूप से गिर सकता है, जिसे हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह स्थिति बेहद जोखिम भरी हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जिनका शुगर लेवल अक्सर ऊपर-नीचे होता रहता है। ऐसे मामलों में शराब का सेवन जानलेवा भी साबित हो सकता है। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि कुछ अल्कोहलिक पेय जैसे बीयर, कॉकटेल और कई प्रकार की शराब में चीनी और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी अधिक होती है। ऐसे पेय पदार्थों का सेवन करने से ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ सकता है। शराब की यही अनिश्चित प्रकृति, यानी कभी शुगर को बहुत कम करना और कभी बहुत अधिक बढ़ा देना, इसे डायबिटीज के मरीजों के लिए इतना खतरनाक बनाती है। कई बार लोग शराब पीते समय अस्वस्थ और उच्च कैलोरी वाले स्नैक्स का भी सेवन करते हैं, जिससे शरीर में चीनी और कैलोरी की मात्रा और भी बढ़ जाती है, परिणामस्वरूप शुगर लेवल और भी अधिक बिगड़ जाता है। इसके अतिरिक्त, शराब का सेवन डायबिटीज की दवाइयों के प्रभाव को भी प्रभावित कर सकता है। यह दवाओं के असर को कम या ज्यादा कर सकता है, जिससे मरीज का इलाज बुरी तरह प्रभावित होता है और स्थिति बिगड़ सकती है। लंबे समय तक शराब का सेवन करने से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों जैसे नसों, आंखों और किडनी पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों में पहले से ही इन अंगों के प्रभावित होने का खतरा अधिक होता है, और शराब इस जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है। शराब शरीर में डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) का कारण भी बनती है, जिससे शरीर का आंतरिक संतुलन बिगड़ सकता है और कई अन्य जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों की कड़ी सलाह है कि यदि डायबिटीज का मरीज किसी भी स्थिति में शराब का सेवन करता भी है, तो उसे बेहद कम मात्रा में और पूरी सावधानी के साथ करना चाहिए। खाली पेट शराब पीने से पूरी तरह बचना चाहिए, क्योंकि यह शुगर लेवल को तेजी से गिरा सकता है।

इस प्रकार ठीक होगी भूलने की बीमारी

आज कल जीवन की व्यस्तता और भागदौड़ के कारण भूलने की बीमारी बढ़ती जा रही है। कई लोग इससे परेशान हैं। लगातार बने रहने वाले तनाव से ज्यादातर लोगों का दिमाग कमजोर होने लगता है। इस कारण हर बात दिमाग से निकलने लगती है, जिस वजह से हमे दूसरों की नाराजगी का शिकार भी बनना बढ़ता है। अगर आप भी कोई चीज रखकर भूल जाते है तो अपनी सेहत पर ध्यान देना शुरू कर दें। ऐसे फलों और सब्जियों का सेवन करें, जिनसे स्मरण शक्ति तेज हो। आप घरेलू तरीके अपनाकर भी अपने दिमाग को तेज रख सकते है। आइए हम आपको कुछ घरेलू चीजों के उपाय बताएंगे, जिससे स्मरण शक्ति दिनों-दिन तेज होती रहेगी।

रोज रात को 10-15 बादाम पानी में भिगोकर रख़ दें। सुबह इनके छिलके उतारकर इनका बारीक पेस्ट बना लें। फिर इसमें शहद डालकर उबाल लें। फिर इसे ठंडा करके पिएं। इसका सेवन करने के 2 घंटे बाद कुछ भी ना खाएं। आंवले का इस्तेमाल सदियों के किया जा रहा है। इससे कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर होती है। सुबह खाली पेट आंवले का मुरब्बा खाएं। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है। बात-बात पर फूलने की परेशानी भी दूर हो जाती है। गाय के घी से रात को सोने से सिर की मालिश करें। इससे स्मरण शक्ति तेज होगी। अगर आप अखरोट खाते है तो बहुत ही अच्छा है क्योंकि इनमें दिमाग को तेज रखने वाले गुण मौजूद होते है। 10 ग्राम किशमिश के साथ 20 ग्राम अखरोट खाएं।

गाजर और गुलकंद खाने से दिमाग तेज रहता है। दिन में रोज 2-3 बार इन दोनों चीजों का सेवन करें। इससे दिमाग बिल्कुल स्वस्थ रहता है। रात को सोने से पहले उड़द की दाल को भिगोकर रख़ दें। सुबह इस दाल का पेस्ट बनाकर इसमें मिश्री मिला लें। फिर दूध के साथ इसका सेवन करें। इससे बी दिमाग तेज रहेगा। सौंफ के दाने पीसकर पाउडर बना लें। फिर इस पाउडर को सुबद शाम दूध के साथ लें। इससे बाकी समस्याएं तो दूर होती है दिमाग भी तेज रहता है। शहद के साथ 10 ग्राम दालचीनी मिलाकर चाट लें। इससे भी दिमाग तेज रहेगा। भूलने की बीमारी दूर हो जाएगी।

बाल झड़ने एवं गंजेपन की समस्या का हल ये खास उपाय

आजकल कम उम्र में ही बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे सभी लोग विशेषकर युवा परेशान हैं। हर दूसरे युवा के लिए यह एक एक गंभीर समस्या बन गयी है। खाने पीने मे लापरवाही और बदलते मौसम के चलते बाल झड़ने की समस्या आम बात है हालांकि फैशनेबल और स्टाइलिश लुक की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए यह परेशानी एक गंभीर समस्या हैं। अगर आप भी ऐसी ही किसी परेशानी से दो-चार हो रहे हैं और जल्द ही इसका उपाय चाहते हैं तो अदरक का ये नुस्खा आपकी मदद कर सकता है। अगर आप बाल घने करने के लिए कई तेल और दवा खाकर देख चुके हैं तो इसे भी अदरक आजमा कर देखिए। जानिए इस नुस्खे को बनाने का तरीका ताकि आप भी कम बालों या गंजेपन के चलते शर्मिंदा होने से बचे रह सकें। अदरक एक एंटी बैक्टीरियल औषधि माना जाता है। अदरक एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से इसके प्राकृतिक गुण बालों को झड़ने से भी रोकते हैं। गंजेपन की समस्या से निजात पाने के लिए आप अदरक के रस को नींबू के रस में मिलाकर बालों में लगाएं। ऐसा करने से बालों से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी और बाल झड़ने बंद हो जाएंगे। बालों में अदरक लगाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसके रस का एसिडिक नेचर का होने की वजह से ये आपके बालों में खारिश कर सकता है, इसलिए अदरक का जूस लगाने के बाद हमेशा अपने बालों को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

जलने पर कर सकते हैं ये घरेलू उपाय -शरीर के किसी अंग का आग या ताप में जल जाना, बेहद तकलीफदेह होता है। कई बार खाना बनाते वक्त, गर्म पानी से या फिर बिजली के किसी उपकरण से जल जाने पर त्वचा पर फफोले हो जाते हैं, जो आपकी तकलीफ को कई गुना बढ़ा देते हैं। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय आपकी मदद कर सकते हैं। जब भी किसी कारण से त्वचा जल जाए, तो तुरंत उस पर ठंडा पानी डालें, ताकि फफोले ना पड़ सकें। इसके बाद भी आप जले हुए स्थान पर ठंडे पानी में कपड़ा भिगोकर लपेट दें, ताकि यह खतरा और भी कम हो जाए। जलने पर एलोवेरा काफी फायदा पहुंचाता है। प्राथमिक उपचार के तौर पर इसका प्रयोग जले हुए स्थान पर किया जा सकता है। इसेक बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। पानी या दूध से घाव को धोने के बाद एलोवेरा को जले हुए स्थान पर लगाएं। जले हुए स्थान पर आलू या आलू का छिलका लगाकर रखने से भी जलन से राहत मिलेगी और ठंडक मिलेगी। इसके लिए आलू को दो भागों में काटकर उसे जख्म पर रखें। जलने के तुरंत बाद यह करना काफी फायदेमंद होगा। जले हुए स्थान पर तुरंत हल्दी का पानी लगाने से दर्द कम होता है और आराम मिलता है। इसलिए इसे प्राथमिक उपाचार के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।

शहद का प्रयोग भी जले हुए स्थान पर करने से लाभ होता है, क्योंकि यह एक अच्छा एंटीबायोटिक होता है। यह घाव के कीटाणुओं को खत्म करने में सहायक होता है। इसके लिए शहद को पट्टी पर लेकर पट्टी को घाव पर रख दें और इस पट्टी को दिन में दो से तीन बार जरूर बदलें। जले हुए स्थान पर टी-बैग रखने से भी आपको काफी राहत मिलेगी। इसके लिए टी-बैग को फ्रि?ज या ठंडे पानी में कुछ देर रखने के बाद घाव पर लगाएं। इसमें टैनिक अम्ल होता है, जो घाव की गर्मी को कम की उसे ठीक करने में मदद करता है।जले हुए हिस्से पर तुलसी के पत्तों का रस लगाना भी बेहद असरकारक होता है। इससे हुए वाले भाग पर दाग बनने की संभावना कम होती है।तिल का उपायोग भी जलने पर राहत पहुंचाने में सहायक है। तिल को पीसकर जले हुए स्थान पर लगाने से जलन और दर्द नहीं होगा। तिल लगाने से जलने वाले हिस्से पर से दाग-धब्बे भी समाप्त होते हैं।जल जाने पर टूथपेस्ट भी एक कारगर उपचार है जिससे जलन तो कम होती ही है, साथ ही त्वचा पर फफोले भी नहीं पड़ते। इसलिए जलने पर कुछ उपलब्ध न हो तो तुरंत टूथपेस्ट लगा लिजिए। जलने पर तुरंत पानी में नमक डालकर गाढ़ा घोल बनाएं, और प्रभावित स्थान पर लगाएं, इससे ठंडक भी मिलेगी और त्वचा फफोले भी नहीं पड़ेंगे।

मौत का मच्छर, लापरवाही का खतरा, मलेरिया जानलेवा

मलेरिया आज भी उन पुरानी और अत्यंत खतरनाक बीमारियों में से एक है, जो हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और असंख्य परिवारों को शोक में डुबो देता है। यह एक ऐसा रोग है, जो पूरी तरह रोके जाने योग्य होने के बावजूद आज भी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में मौजूद है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मलेरिया से होने वाली अधिकांश मौतें छोटे बच्चों में होती हैं, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में, जो इस बीमारी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। मलेरिया का संबंध एक सूक्ष्म लेकिन अत्यंत घातक परजीवी से है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छर के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है। जब यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी रक्त में पहुंचकर पहले यकृत पर हमला करता है और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि मलेरिया केवल एक साधारण बुखार नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक संरचना को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाला रोग है।वैश्विक स्तर पर मलेरिया की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष करोड़ों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं और लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। 2024 में मलेरिया से लगभग 6.1 लाख मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि यह बीमारी अभी भी नियंत्रण से बाहर हो सकती है, यदि इसके प्रति जरा भी लापरवाही बरती जाए। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है क्योंकि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में उत्पादकता घटाता है, स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ाता है और गरीबी के चक्र को गहरा करता है। मलेरिया की सबसे खतरनाक विशेषता इसकी जटिलता और विविधता है। प्लाज्मोडियम के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से फाल्सीपेरम सबसे घातक माना जाता है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह गंभीर एनीमिया, किडनी फेल्योर, मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं और अंततः मृत्यु का कारण बन सकता है। यही कारण है कि मलेरिया के उपचार में देरी या लापरवाही सीधे जीवन के लिए खतरा बन जाती है। कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बनता है। हालांकि आशा की किरण भी उतनी ही मजबूत है। विज्ञान ने मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। नए टीकों का विकास, उन्नत दवाएं, कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां और डिजिटल निगरानी प्रणाली इस दिशा में बड़ी प्रगति का संकेत हैं। मलेरिया के लिए विकसित कुछ टीकों ने यह साबित किया है कि मलेरिया को नियंत्रित करना अब केवल कल्पना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकता है। कई देशों में इन टीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है और लाखों बच्चों को इससे सुरक्षा भी मिल रही है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग मलेरिया संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में किया जा रहा है। इससे समय रहते रोकथाम के उपाय किए जा सकते हैं। आनुवंशिक रूप से संशोधित मच्छरों पर भी शोध जारी है, जिनके माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित करने की संभावना तलाश की जा रही है। ये

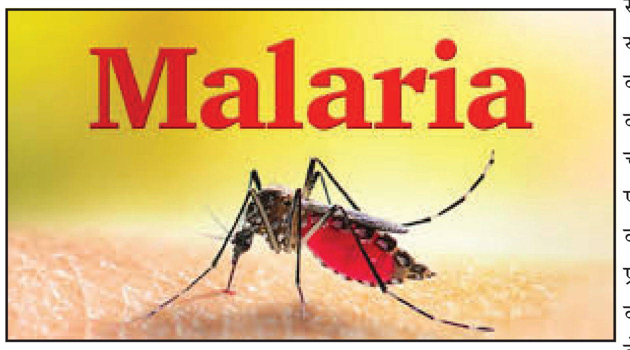

सभी प्रयास इस बात के संकेत हैं कि यदि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर कार्य करे तो मलेरिया को जड़ से समाप्त करना संभव है। इसके बावजूद, चुनौतियां कम नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और कीटनाशकों के प्रति मच्छरों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता इस लड़ाई को और कठिन बना रही है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कारण मच्छरों का फैलाव नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जिससे मलेरिया का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, कई विकासशील देशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता का अभाव और आर्थिक संसाधनों की सीमाएं इस बीमारी के नियंत्रण में बाधा बनती हैं। यही कारण है कि विश्व मलेरिया दिवस 2026 की थीम 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध- अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम केवल एक नारा नहीं बल्कि एक चेतावनी है कि अब और देरी की गुंजाइश नहीं है। हमारे पास संसाधन हैं, तकनीक है और अनुभव भी है, आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वित प्रयास की है। मलेरिया के लक्षणों में तेज बुखार, कंपकंपी, अत्यधिक पसीना, सिरदर्द, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं। कई मामलों में यह रोग इतनी तेजी से गंभीर रूप ले लेता है कि मरीज को संभलने का अवसर तक नहीं मिलता। मलेरिया से बचाव के उपाय अत्यंत सरल लेकिन प्रभावी हैं। साफ-सफाई का ध्यान रखना, घर और आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनना और समय-समय पर कीटनाशकों का छिड़काव करना इस बीमारी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से बरसात और गर्मी के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक है,त्र क्योंकि यही वह समय होता है, जब मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ती है। किसी भी प्रकार के बुखार को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि तेज बुखार, ठंड लगना या अन्य लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार शुरू करना चाहिए। शुरुआती चरण में ही सही उपचार मिलने से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

सरकारों और स्वास्थ्य संस्थाओं की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, दूरस्थ क्षेत्रों में जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना, जागरूकता अभियान चलाना और मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त बजट सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके साथ ही, समुदाय की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है, क्योंकि बिना जनसहयोग के कोई भी स्वास्थ्य अभियान सफल नहीं हो सकता। वैश्विक स्तर पर मिली सफलताएं यह दर्शाती हैं कि यदि निरंतर प्रयास किए जाएं तो मलेरिया को नियंत्रित करना संभव है। कई देशों ने इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया है और अनेक देश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह उपलब्धियां हमें प्रेरित करती हैं कि हम भी इस दिशा में ठोस कदम उठाएं और मलेरिया मुक्त भविष्य की ओर बढ़ें। मलेरिया के खिलाफ यह लड़ाई केवल चिकित्सा या विज्ञान की नहीं बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक संकल्प की लड़ाई है।

गढ़ीभरल पंचायत में विकास कार्यों पर उठे सवाल, करोड़ों के घोटाले के आरोपों से मचा हड़कंप

घरौंडा, 28 अप्रैल (सतीश कुमार पंडित) : घरौंडा थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीभरल में पंचायत स्तर पर हुए विकास कार्यों को लेकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। गांव निवासी जितेंद्र कुमार ने ग्राम पंचायत और पूर्व सरपंच पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उनका दावा है कि गांव में कई विकास कार्य केवल कागजों में पूरे दिखाए गए, जबकि वास्तविकता में उन कार्यों का जमीनी अस्तित्व नहीं है। जितेंद्र कुमार ने बताया कि सितंबर 2025 से वह लगातार संबंधित विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें भेज रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में एक पार्क के निर्माण पर करीब 47 लाख रुपये खर्च दिखाए गए हैं, जबकि मौके पर ऐसा कोई पार्क मौजूद नहीं है। उनका कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड में पार्क को पूर्ण दर्शाया गया, लेकिन ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिला।

इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में 237 मकानों के निर्माण का रिकॉर्ड तैयार किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन मकानों का निर्माण धरातल पर नहीं हुआ और योजना के नाम पर सरकारी राशि का गलत इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दस्तावेज प्राप्त किए हैं, जिनसे कई अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। ग्रामीण ने यह भी आरोप लगाया कि गांव के चार जोहड़ों को पोंड सिस्टम में विकसित करने का दावा किया गया, लेकिन वास्तविक स्थिति इससे अलग है। आज भी जोहड़ों का पानी खेतों में बह रहा है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि विकास कार्य सही तरीके से हुए होते तो जल निकासी और संरक्षण की बेहतर व्यवस्था दिखाई देती। जितेंद्र कुमार ने सीएम विंडो पर दर्ज शिकायत को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी शिकायत को बिना अनुमति और फर्जी हस्ताक्षरों के आधार पर बंद कर दिया गया। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शिकायत प्रक्रिया की भी जांच की जाए।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि मामले को उजागर करने के बाद उन्हें और उनके परिवार को धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग ने पकड़ा जोर, तहसील में सौंपा ज्ञापन

रायपुररानी, 28 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह) : रायपुररानी तहसील कार्यालय में मंगलवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौ वन सेवा धाम पंचकूला के कार्यकर्ताओं ने गौ संरक्षण से जुड़ी समस्याओं और व्यवस्थागत सुधार की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम नायब तहसीलदार शिवराज को दिया गया। खंड संयोजक राजेश सैनी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में गोवंश की देखभाल, सुरक्षा व्यवस्था और संसाधनों की कमी को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मौजूदा समस्याओं का समाधान जरूरी है, अन्यथा गौसेवा कार्य प्रभावित होगा। उन्होंने गोवंश संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाने की मांग उठाई। साथ ही गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि इससे गौ संरक्षण अभियान को सामाजिक स्तर पर मजबूती मिलेगी। इस मौके पर मनजीत धीमान, रोहित शर्मा रूबा, कपिल देव मोदगिल, राजू प्रजापत, शक्ति राणा, अशोक चौधरी, लक्की सैनी, प्रिंस शर्मा और मोहन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यामंदिर क्लासेस ने लॉन्च किया देश का पहला AI वीडियो डाउट सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, जेई नीट स्टूडेंट्स को मिलेगा तुरंत समाधान

मूनक, 28 अप्रैल (जय भगवान) : भारत में कॉम्पिटीटिव एग्ज़ाम्स की तैयारी के तरीके को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए विद्यामंदिर क्लासेस (वीएमसी) ने एआई-पावर्ड वीडियो ट्यूटोरियल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। जेईई, नीट और अन्य एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए जाना जाने वाला यह संस्थान इस तरह का प्लेटफॉर्म पेश करने वाला देश का पहला नेशनल लेवल इंस्टीट्यूट बन गया है। खास बात यह है कि यह सुविधा सिर्फ वीएमसी स्टूडेंट्स तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य छात्र भी इसका लाभ उठा सकेंगे। यह प्लेटफॉर्म स्टूडेंट्स की सबसे बड़ी समस्या, डाउट सॉल्विंग में लगने वाले समय, को खत्म करने के लिए डिजाइन किया गया है। अब स्टूडेंट्स किसी भी सवाल या कॉन्सेप्ट पर कुछ ही सेकंड में स्टेप-बाय-स्टेप वीडियो एक्सप्लनेशन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनकी तैयारी अधिक तेज और प्रभावी हो जाती हं। लॉन्च के बारे में बात करते हुए वीएमसी के को-फाउंडर और IIT दिल्ली के पूर्व छात्र मनमोहन गुप्ता ने कहा, यह AI-पावर्ड प्लेटफॉर्म स्टूडेंट्स के सीखने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाता है। पारंपरिक डाउट सॉल्विंग से अलग, हमारी टेक्नोलॉजी हर सवाल के लिए रियल-टाइम में पूरा वीडियो एक्सप्लनेशन तैयार करती है। यह कॉम्प्लेक्स कॉन्सेप्ट्स को आसान स्टेप्स में समझाती है, जिससे स्टूडेंट्स सिर्फ जवाब ही नहीं बल्कि उसके पीछे के सिद्धांत को भी समझ पाते हैं। जेईई और नीट जैसे एग्जाम्स में जहां कॉन्सेप्चुअल क्लैरिटी और स्पीड बेहद जरूरी होती है, वहां यह प्लेटफॉर्म बेहद उपयोगी साबित होगा। हमारी जानकारी के अनुसार यह देश का अपनी तरह का पहला इनोवेशन है और हमें इसे सभी स्टूडेंट्स तक पहुंचाने पर गर्व है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के इनोवेशन क्वालिटी एजुकेशन को ज्यादा सुलभ बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले या एक्सपर्ट फैकल्टी तक तुरंत पहुंच न रखने वाले स्टूडेंट्स अब किसी भी समय हाई-क्वालिटी एक्सप्लनेशन प्राप्त कर सकेंगे।

यह प्लेटफॉर्म तय समय पर निर्भरता को भी कम करता है, जिससे स्टूडेंट्स अपनी सुविधा और गति के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं और उनकी प्रोडक्टिविटी व रिजल्ट्स में सुधार होता है। इस लॉन्च के साथ विद्यामंदिर क्लासेस ने एक बार फिर टेक्नोलॉजी के जरिए स्टूडेंट्स की सफलता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। छ्श्श्ध और NEET में लगातार टॉप रैंक देने के लिए जाना जाने वाला यह संस्थान अब एडटेक स्पेस में नए मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह AI वीडियो ट्यूटोरियल प्लेटफॉर्म आने वाले समय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है।

आदर्श युवा मंडल ने डीएवी पब्लिक स्कूल को वाटर कूलर किया भेंट

असंध, 28 अप्रैल (दलसिह मान) : आदर्श युवा मंडल असंध के सदस्यों गौरव अरोड़ा, यश चोपड़ा, अमित शर्मा व राजिंदर सिंह रोकी मट्टू ने डीएवी पब्लिक स्कूल को वाटर कूलर भेंट किया। जिससे स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी गर्मी के सीजन में स्वच्छ और शीतल जल ग्रहण कर सकें। संस्था के प्रधान गौरव अरोड़ा व यश चोपड़ा ने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी सदस्य बढ़ चढ़कर सहयोग करते है। भविष्य में भी संस्था इस प्रकार के कार्य निरंतर करती रहेगी। स्कूल प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने वाटर कूलर भेंट करने के लिए संस्था के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में यह वाटर कूलर विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर पंजाबी सभा के प्रधान जगदीश पाहवा, पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा, समाजसेवी अमरजीत छाबड़ा, अनित चोपड़ा, हिमांशु छाबड़ा, प्रवीण गुलाटी व स्कूल पीटीआई साहब सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 17.39 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एंटी इमिग्रेशन सैल द्वारा एक आरोपी गिरफ्तार

कैथल, 28 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से ठगी करने वाले आरोपियों पर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने के एक मामले की जांच एंटी इमिग्रेशन सैल प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एएसआई सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गढौलिया फतेहगढ़ साहिब पंजाब निवासी कमलजीत सिंह को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गांव बोपुर निवासी गुरजीत कौर की शिकायत अनुसार वह जीएनएम नर्सिंग पास है तथा विदेश (ऑस्ट्रेलिया) स्टडी वीजा पर जाने की इच्छुक थी। उसकी एक सहेली के माध्यम से उसका संपर्क मोहाली स्थित बाज इंटरनेशनल नामक इमिग्रेशन कंपनी से हुआ। आरोपी कमलजीत सिंह व प्रियंका शर्मा ने उसे स्टडी बेस पर ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा दिया और इसके लिए करीब 20 लाख रुपये खर्च आने की बात कही। मई 2024 में शिकायतकर्ता अपने परिजन के साथ मोहाली स्थित कार्यालय गई, जहां आरोपियों ने उसे विश्वास में लेकर उसके शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त कर लिए। इसके बाद आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से अलग-अलग समय पर पैसे मांगने शुरू कर दिए। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के कहने पर विभिन्न तिथियों में कुल 7,39,500 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपी कमलजीत सिंह 20 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता के घर आया और स्टडी वीजा की कॉपी दिखाकर विश्वास में लेते हुए 10 लाख रुपये नकद ले गया। बाद में आरोपी ने फ्लाइट टिकट भी दिखाई, लेकिन जब शिकायतकर्ता ने दस्तावेजों की जांच करवाई तो वीजा, टिकट व अन्य कागजात फर्जी पाए गए। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उसे जान से मारने, मानव तस्करों को बेचने तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। बाद में पंचायत के दबाव में आरोपी ने पैसे लौटाने के लिए दो चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण दोनों चेक बाउंस हो गए। उक्त शिकायत पर थाना चीका में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी किसी अन्य मामले में पटियाला जेल में बंद था। जिसकी उक्त मामले में गिरफतारी के लिए माननीय न्यायालय की मार्फत प्रोडक्शन वारंट जारी करवाए गए थे। आरोपी का व्यापक पूछताछ के लिए न्यायालय से 3 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत तथा 30 मई व 18 जुलाई को चेक बाउंस मामलों के लिए लगेगी विशेष लोक अदालत

हिसार, 28 अप्रैल (ब्यूरो) : हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हिसार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (चेक बाउंस) मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हिसार के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए 30 मई और 18 जुलाई 2026 को विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम अशोक कुमार ने बताया कि लोक अदालत एक वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली है, जिसमें पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से विवाद का निपटारा किया जाता है। इसमें न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत, बल्कि दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान किया जाता है। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे लोक अदालत में पहुंचकर अपने लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवा सकते हैं।

जिला में स्व-गणना 30 अप्रैल तक की जा रही है संचालित : पीयूष गुप्ता

यमुनानगर, 28 अप्रैल (दिनेश कुमार) : डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में नगराधीश-सह-नोडल अधिकारी जनगणना पीयूष गुप्ता ने जिला सचिवालय के सभागार में स्व-गणना को लेकर जिला के सभी विभागाध्यक्षों की बैठक ली और बैठक में अधिकारियों को स्व-गणना की ट्रेनिंग भी दी गई। नगराधीश ने बताया कि हरियाणा राज्य में जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना 30 अप्रैल 2026 तक संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिक आधिकारिक पोर्टल एसई.सेनसस.जीओवी.इन पर अपनी जनगणना संबंधित जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि आप अपने कार्यालय के कर्मचारियों को जागरूक करें तथा अपने व कर्मचारियों के परिवारों का स्व-गणना का कार्य करवाए। उन्होंने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि सरपंचों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का 30 अप्रैल तक स्व-गणना के कार्य को करवाएं।

नगराधीश ने जिला वासियों से अपील की कि वे 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें। आपकी सहभागिता जिला की बेहतर योजना निर्माण, सेवा वितरण में सुधार तथा समग्र विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने

बताया कि इसके पश्चात मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का आयोजन 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक कहीं से भी जनगणना संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते है।

सुविधा हरियाणा के सभी जिलों में उपलब्ध है, मोबाइल, टेबलेट व कम्प्यूटर के माध्यम से उपयोग, एक यूनिक एसई आईडी प्रदान की जाएगी, प्रगणक केवल जानकारी का सत्यापन करेंगे। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बताया कि se.census.gov.in पोर्टल पर जाए, मोबाइल नम्बर एवं ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण करें, डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें, परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज करें, आवास एवं सुविधाओं से संबंधित विवरण भरें, जानकारी की समीक्षा कर फार्म सबमिट करें, अपनी एसई आईडी प्राप्त करें, सत्यापन के समय गणनाकर्मी को एसई आईडी प्रदान करें।

उन्होंने बताया कि स्व-गणना प्रपत्र में लगभग 33 प्रश्न शामिल होंगे जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या, मकान का प्रकार एवं स्थिति (ग्रामीण एवं शहरी),पेयजल, बिजली, स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं, शिक्षा एवं सामाजिक-आर्थिक जानकारी, मोबाइल नम्बर अनिवार्य।

उन्होंने बताया कि किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है, शहरी एवं ग्रामीण दोनो क्षेत्रों के लिए उपलब्ध, आंकड़े जिला स्तर की योजना एवं राज्य विकास योजना में सहायक, कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर लक्ष्य निर्धारण में मदद, नागरिक सहभागिता को बढ़ावा। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा प्रदान की गई सभी जानकारी गोपनीय एवं सुरक्षित रखी जाएगी। इन आंकड़ों का उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं विकासात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इस मौके पर डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, डीआईओ विनय गुलाटी, जिला सांख्यिकीय अधिकारी राजकुमार हुड्डा, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, नायब तहसीलदार जगाधरी, जिला समन्वयक निधि भाटिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

खेलों से शारीरिक, मानसिक विकास को मिलती है मजबूती : चरणजीत शर्मा

शाहाबाद मारकंडा, 28 अप्रैल (रूबी) : नैशनल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों विवेक कश्यप, मनी कुमार, अंकित, साजन, अंकुश ने अपने आयु वर्ग में स्वर्ण पदक व रिहान ने अपनी आयु वर्ग में रजत पदक जीते। स्कूल के प्राचार्य चरणजीत शर्मा ने बताया कि 25 अप्रैल को कुरुक्षेत्र में आयोजित की गई ताईक्वांडो प्रतियोगिता में स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। प्राचार्य ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। चरणजीत ने कहा कि विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि अपनी मेहनत, अनुशासन और लग्न से प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक, मानसिक विकास को मजबूती मिलती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। चरणजीत शर्मा ने विद्यार्थियों, कोच, अभिभावकों और शिक्षकों को भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर बधाई दी।

फल्गु राष्ट्रीय संस्कृति न्यास का प्रथम सद्भावना समारोह संपन्न

करनाल, 28 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : फल्गु राष्ट्रीय संस्कृति न्यास, फरल कैथल का प्रथम सद्भावना समारोह क्षीरधारा के शामगढ़ स्थित सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें साहित्य, संस्कृति और संगठनात्मक ऊर्जा का संगम देखने को मिला। तीन चरणों में विभाजित इस भव्य आयोजन ने न केवल साहित्यिक और सांस्कृतिक गौरव का जश्न मनाया, बल्कि न्यास के भावी स्वरूप और उद्देश्यों को भी नई दिशा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ फल्गु राष्ट्रीय संस्कृति न्यास और क्षीरधारा स्नैक्स की ओर से उपस्थित अतिथियों के औपचारिक स्वागत और अभिनंदन के साथ हुआ। कार्यक्रम का प्रथम चरण संस्था की बैठक के रूप में रहा, जिसमें न्यास के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक में संस्कृति के प्रचार-प्रसार के संकल्प को दोहराते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब फल्गु मंदिर सुधार समिति का नाम फल्गु राष्ट्रीय संस्कृति न्यास होगा और यह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी इकाइयों का विस्तार करेगा। इस दिशा में कार्य करने हेतु न्यास की एक नई कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया गया, जो न्यास के आगामी उद्देश्यों को धरातल पर उतारने का कार्य करेगी। समारोह का दूसरा चरण साहित्यिक विमर्श का साक्षी बना।

इस दौरान लेखक दिनेश शर्मा दिनेश द्वारा रचित और अद्विक पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक लोककवि निहालचंद निहाल जीवन और दर्शन का भव्य लोकार्पण हुआ।

इस कृति को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उर्दू प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चंद्र त्रिखा के आशीर्वाद और संपादक डॉ. विजेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। पुस्तक का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अभिलेखागार प्रमुख अजय कुमार के सान्निध्य में विशिष्ट अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिनमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र के प्रमुख विनोद शर्मा विवेक, हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह, साहित्यकार एवं अभिनेता डॉ. रामफल चहल, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष उमेश शर्मा, गौसेवक एवं उद्यमी अनिल भारद्वाज, वरिष्ठ साहित्यकार एवं इतिहासकार कमलेश शर्मा और अद्विक पब्लिकेशन के प्रबंधक अशोक गुप्ता सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का तीसरा चरण विख्यात कवि चरणजीत चरण द्वारा प्रस्तुत विशेष काव्य प्रस्तुति सिया के राम के नाम रहा।

उनकी ओजस्वी और मर्मस्पर्शी वाणी में रामकथा का वर्णन सुनते समय पूरा सभागार आध्यात्मिक वातावरण में डूब रहा। उनकी भावुक और प्रभावशाली प्रस्तुति के दौरान श्रोता बार-बार भावुक हुए और कई लोगों की आंखें नम थीं। काव्य प्रस्तुति के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने खड़े होकर तालियों के साथ कवि चरणजीत चरण का अभिनंदन किया। वास्तव में यह प्रस्तुति समारोह का अविस्मरणीय हिस्सा रही। क्षीरधारा स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से आयोजित इस आयोजन की सफलता के लिए विकास गर्ग के कुशल संयोजन की विशेष सराहना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वर गर्ग, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के चीफ मैनेजर अजय शर्मा, तथा पवन शर्मा की उपस्थिति रहे। इसके अतिरिक्त नवीन सिंगला, जयकुमार, प्रवीण सिंह, संदीप नैन, संजीत कौशिक, मुकेश शर्मा, कपिल, तरसेम, हर्ष राणा, सुबे सिंह एवं तरसेम शर्मा सहित कई लोगों ने समारोह में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। समारोह के समापन पर मंच संचालक द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों, साहित्यकारों और प्रबुद्ध जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों में चल रहे कार्यों में लाएं तेजी : डीसी अपराजिता

डीसी अपराजिता ने गुहला क्षेत्र में घग्गर टटियाना गेज, हांसी-बुटाना, सारोला साइफन का किया दौरा -संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कैथल, 28 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने जिले में बाढ़ सुरक्षा प्रबंध के दृष्टिगत घग्गर टटियाना गेज, हांसी बुटाना सारोला साइफन का दौरा कर निर्माण कार्य एवं साइफन से निकाली जा रही गाद के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के अधिकारी मानसून से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें, ताकि पानी का प्रवाह सुचारू रूप से चले और आमजन व किसानों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। उन्होंने सबसे पहले टटियाना गेज का निरीक्षण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को घग्गर की सफाई के निर्देश दिए। नहरी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गेज के अनुसार 2023 में 84 हजार क्यूसिक पानी, 2025 में 56 हजार क्यूसिक पानी बाढ़ के दौरान आया था। आगामी मानसून के दृष्टिगत बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों की तैयारियों को लेकर विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। डीसी ने गहनता से टटियाना गेज पर विभाग से संबंधित कार्य की फीडबैक ली। इसके बाद डीसी ने अधिकारियों से हांसी-बुटाना नहर पर चल रहे कार्य के बारे में जानकारी हासिल की। अधिकारियों ने बताया कि हांसी बुटाना नहर पर मजबूतीकरण का

कार्य चल रहा है। यह कार्य पटियाला रोड से खराल गांव तक लगभग 10 हजार फुट तक एक करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से होगा। इस पर इंटरलॉकिंग टाइलें लगाई जाएंगी। यह कार्य जून 2026 तक पूरा किया जाएगा। डीसी ने कहा कि अबकी बार मानसून जल्द आने की संभावना है, इसलिए कार्य की गति को बढ़ाए। इसके बाद डीसी ने बीएमएल सरोला साइफन का निरीक्षण किया। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि सरोला साइफन पर गाद निकालने का कार्य एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा भविष्य में साइफन के नीचे के क्षेत्र को पक्का किए जाने का भी प्लान बनाया है। डीसी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को गाद निकालने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देने के साथ-साथ एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह को नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए। यहां किसानों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। डीसी ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। डीसी ने निरीक्षण के दौरान निचले इलाकों, ड्रेनेज सिस्टम, तटबंधों और जल निकासी व्यवस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कहीं भी जलभराव की समस्या न रहे, इसके लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं। डीसी ने कहा कि आपदा प्रबंधन के तहत सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस मौके पर एसडीएम कैथल संजय सिंह, एसडीएम गुहला कैप्टन प्रमेश सिंह, डीआरओ चन्द्र मोहन, कार्यकारी अभियंता गुरविंदर सिंह, दिग्विजय शर्मा, वरूण कंसल, डीआईपीआरओ नसीब सिंह के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक्सपीरियन विर्सा अमृतसर में सजा भव्य कार्निवल, 600 से ज्यादा लोग हुए शामिल

अमृतसर 28 अप्रैल (मधु राजपूत) शहर में रियल एस्टेट डेवलपर एक्सपीरियन डेवलपर्स ने अपने प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट एक्सपीरियन विर्सा में भव्य कार्निवल का आयोजन किया। इस आयोजन में 600 से अधिक लोग शामिल हुए। प्रोजेक्ट परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न फूड स्टॉल, इंटरैक्टिव एक्टिविटीज और सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मशहूर गायक अखिल पसरेज की प्रस्तुति रही, जिन्होंने अपने हिट गानों से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। इस मौके पर एक्सपीरियन डेवलपर्स के वाइस चेयरमैन बीके मलागी ने कहा कि अमृतसर के लोगों का उत्साहजनक रिस्पॉन्स इस आयोजन को खास बना गया। उन्होंने कहा कि लोगों की भागीदारी और ऊर्जा ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

मनुष्य को अपने जीवन में मोह और आशक्ति से बचते हुए भगवान की भक्ति में लीन रहना चाहिए : भरत मुनि जी उदासीन

ऐलनाबाद, 28 अप्रैल (ब्यूरो) : शहर के वार्ड नंबर 9 में स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में महिला मंडल द्वारा श्री मद भागवत कथा का भव्य एवं पावन कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। इस दिव्य कथा का वाचन परम पूज्य श्री श्री 108 महंत श्री भरत मुनि जी उदासीन (श्री पंचमुखी मंदिर) महाराज द्वारा किया जा रहा है, जिनकी मधुर वाणी एवं सरल शैली श्रद्धालुओं के हृदय को भक्ति रस से सराबोर कर रही है। कथा के दौरान भरत मुनि जी महाराज ने जड़ भरत की कथा का अत्यंत मार्मिक एवं शिक्षाप्रद वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जड़ भरत पूर्व जन्म में एक महान राजा थे, जिन्होंने अंत समय में हिरण के प्रति मोह कर लिया, जिसके कारण उन्हें अगले जन्म में हिरण योनि प्राप्त हुई। इसके पश्चात तीसरे जन्म में उन्होंने जड़ भरत के रूप में जन्म लिया और संसार के मोह-माया से दूर रहते हुए पूर्ण वैराग्य का जीवन अपनाया। मुनि जी ने इस प्रसंग के माध्यम से बताया कि मनुष्य को अपने जीवन में मोह और आसक्ति से बचते हुए भगवान की भक्ति में लीन रहना चाहिए। जड़ भरत की कथा हमें यह सिखाती है कि अंत समय की भावना ही हमारे अगले जन्म का निर्धारण करती है, इसलिए हर क्षण ईश्वर स्मरण आवश्यक है। कथा व्यास परम पूज्य गुरुदेव श्री भरतमुनि जी ने अपने अमृतमय वचनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को नरक में मिलने वाली विभिन्न यातनाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथा के इस प्रसंग ने श्रोताओं को आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित कर दिया। भरत मुनि जी ने बताया कि श्रीमद् भागवत

महापुराण के अनुसार, मनुष्य अपने कर्मों के आधार पर ही स्वर्ग और नरक की प्राप्ति करता है। जो व्यक्ति जीवन में अधर्म, पाप, छल-कपट, हिंसा, झूठ, और दूसरों को कष्ट देने जैसे कर्म करता है, उसे मृत्यु के पश्चात नरक में कठोर दंड भुगतने पड़ते हैं। मुनि ने विस्तार से बताया कि नरक में जीवात्मा को अनेक प्रकार की पीड़ाएं सहनी पड़ती हैं, जैसे-अग्नि की प्रचंड ज्वालाओं में जलना, खौलते हुए तेल में डाला जाना,कांटों और नुकीले औजारों से शरीर को घायल किया जाना, भूख-प्यास से तड़पना, यमदूतों द्वारा कठोर यातनाएं देना आदि। श्री भरतमुनि जी ने कहा कि ये सभी यातनाएं केवल डराने के लिए नहीं, बल्कि मनुष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने के लिए वर्णित की गई हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सदैव धर्म, सत्य, और सेवा का मार्ग अपनाना चाहिए, ताकि उसे ऐसे कष्टों का सामना न करना पड़े। कथा के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि भगवान का भजन, सत्संग, दान-पुण्य और अच्छे कर्म ही मनुष्य को नरक की यातनाओं से बचाकर मोक्ष की ओर ले जाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने गुरुदेव के उपदेशों को श्रद्धापूर्वक सुना। कथा स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा श्रवण कर रहे हैं ओर शहर के गायक रामनिवास रसिया भी भजनों से अपनी सेवा प्रतिदिन प्रदान कर रहे है। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष कथा सुनने के लिए मौजूद थे ।

अक्षय कुमार बने क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के ब्रांड एंबेसडर

अम्बाला, 28 अप्रैल (मधु राजपूत सपना)। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ('क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन'), जो भारत की शोध-आधारित कृषि समाधान कंपनियों में से एक है, ने अक्षय कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है।इस साझेदारी के अवसर पर, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन' ने अक्षय कुमार के साथ अपना पहला राष्ट्रीय ब्रांड कैपेंन देश का किसान, देश का असली हीरो भी लॉन्च किया, जो भारत के किसानों के योगदान और उनके रोज़मर्रा के साहस को समर्पित है। यह साझेदारी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की भारतीय कृषि के प्रति तीन दशकों की मजबूत प्रतिबद्धता को अक्षय कुमार के प्रभाव के साथ जोड़ती है। इस सहयोग के माध्यम से कंपनी का उद्देश्य भारत के किसानों के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ करना, उन्हें उन्नत समाधानों को अपनाने के लिए प्रेरित करना और खेती की लाभप्रदता बढ़ाने में सहायता प्रदान करना है।क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के एक्जक्यूटिव चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, अंकुर अग्रवाल ने कहा, अक्षय कुमार दृढ़ता, अनुशासन और एक गहन उद्देश्य की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसे मूल्य जो क्रिस्टल के सिद्धांतों से पूरी तरह मेल खाते हैं। यह साझेदारी हमारे लिए एक राष्ट्रीय आइकन को देश के अन्नदाता, हमारे किसानों, से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। हमारे लिए किसान सिर्फ़ एक हितधारक नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार हैं। देश का किसान देश का असली हीरो कैंपेन को टेलीविज़न, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स और ज़मीनी स्तर पर किसानों से जुड़ने वाले अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लागू किया जाएगा। यह कैंपेन किसानों को देश के अहम हिस्से के रूप में सम्मानित करेगा। साथ ही, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की भूमिका को एक ऐसे सहयोगी के रूप में उजागर करेगा, जो उन्हें फसल सुरक्षा समाधान, बीज और अपने क्रिस्टल विशेषज्ञ नेटवर्क के माध्यम से तैनात आउटसोर्स्ड फ़ॉर्म एडवाइजरी टीमों के ज़रिए सहयोग प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को कराई जाएगी श्री हजूर साहिब की नि:शुल्क यात्रा

कैथल, 28 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार की जन कल्याणकारी पहल 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के अंतर्गत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी 5 मई को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इच्छुक श्रद्धालु 30 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत यात्रा पूरी तरह नि:शुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। चयन प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी, इसलिए पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करे। इस यात्रा का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है।

डीसी अपराजिता ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थी लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में भी अपनी सूचना दे, ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है।

बैक पेन को नजरअंदाज न करें- लिवासा अस्पताल अमृतसर

अमृतसर 28 अप्रैल (मधु राजपूत) बैक पेन के शीघ्र निदान और समय पर विशेषज्ञ उपचार के महत्व पर ज़ोर देते हुए, लिवासा अस्पताल अमृतसर ने मंगलवार को एक एडवाइजरी जारी कर लोगों से आग्रह किया कि वे लगातार बैक पेन को नजरअंदाज न करें। न्यूरो सर्जरी कंसलटेंट, लिवासा अस्पताल अमृतसर, डॉ अमनजोत सिंह बोपराई ने कहा कि बैक पेन को नज़रअंदाज़ न करें, खासकर

तब जब इसके साथ पैरों में दर्द, कमजोरी या मूत्राशय और आंत्र संबंधी लक्षण जैसे चेतावनी संकेत भी हों। एक हालिया मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अमृतसर के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को जिम में भारी कसरत के बाद कमर में तेज दर्द हुआ,ए जो दोनों पैरों तक फैल गया। डॉ बोपराई ने बताया कि एमआरआई में एल4-एल5 डिस्क का बड़ा हिस्सा उभरा हुआ पाया गया, जिससे न्यूरल पर गंभीर कम्प्रेशन पड़ रहा था।

न्याय की राह पर सरकार-हर शिकायत का होगा समाधान : मंत्री कृष्ण कुमार

पानीपत, 28 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : जिला सचिवालय के द्वितीय तल स्थित कांफ्रेंस हॉल में मंगलवार को जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवाएं) मंत्री श्री कृष्ण कुमार ने की। बैठक में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित समाधान पर जोर दिया गया। बैठक में कुल 12 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 5 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि 7 शिकायतों को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। सभी शिकायतकर्ताओं को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया गया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में पहली शिकायत सुल्तान सिंह व अन्य निवासी टीडीआई सिटी द्वारा रखी गई, जिसमें कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया गया। मंत्री ने संबंधित विभाग को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दूसरी शिकायत गुलशन तलवार व अन्य द्वारा पार्श्वनाथ कॉलोनी में जमीन व बुनियादी सुविधाओं से संबंधित थी, जिसे अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। तीसरी शिकायत जोगिंदर मलिक द्वारा संपदा अधिकारी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से संबंधित थी, जिसमें प्लॉट आवंटन का मामला था। इस पर मंत्री ने मौके पर ही समाधान किया। चौथी शिकायत प्रवीण मदान, निवासी लक्ष्मी नगर द्वारा

भूमि अधिग्रहण व रास्ते की समस्या को लेकर रखी गई, जिसका मौके पर समाधान किया गया। पांचवीं शिकायत रणधीर सिंह, नई अनाज मंडी समालखा द्वारा बैंक से संबंधित थी, जिसमें अधिकारियों को 10 दिन के भीतर कार्रवाई के निर्देश देते हुए इसे लंबित रखा गया। छठी शिकायत मयंक मित्तल द्वारा व्यवसायिक विवाद से संबंधित थी, जिस पर कार्रवाई के निर्देश देते हुए अगली बैठक तक लंबित रखा गया। सातवीं शिकायत जगदीश पाल द्वारा जमीन विवाद को लेकर रखी गई, जिसका मौके पर समाधान किया गया। आठवीं शिकायत लहना सिंह द्वारा बैंक लोन से संबंधित थी, जिसका भी मौके पर समाधान किया गया। नौवीं शिकायत प्रदीप द्वारा पुलिस विभाग से संबंधित थी, जिसमें मंत्री ने दोनों पक्षों को बैठाकर समाधान करने के निर्देश दिए। इसका भी मौके पर समाधान किया गया। दसवीं शिकायत रोहतास कुमार द्वारा जमीन खरीद विवाद को लेकर रखी गई, जिस पर सुनवाई करते हुए मौके पर समाधान किया गया। ग्यारहवीं शिकायत सुरेश वर्मा व दीपक शर्मा द्वारा प्लॉटों में धोखाधड़ी से संबंधित थी, जिसे गंभीरता से सुनते हुए अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। बारहवीं शिकायत, जो एक नई शिकायत थी, जो जमीन से जुड़े भुगतान विवाद से संबंधित थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके साथ धोखाधड़ी व जालसाजी कर उसकी रकम हड़प ली गई। मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए और शिकायत का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री कृष्ण कुमार ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिलाना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा हर शिकायत को पूरी गंभीरता से सुनकर उसका निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान किया जाएगा। उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया ने मंत्री को आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों के समाधान में देरी नहीं होगी और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर लागू किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर के संक्रमण को खत्म करने के लिए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को लगवाए एचपीवी वैक्सीन : अनुभव मेहता

लाडवा, 28 अप्रैल (राम गोपाल) : एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि एचपीवी एक वायरस संक्रमण है जोकि मुख्यता महिलाओं में गर्भाशय को प्रभावित करता है। यह संक्रमण बिना किसी विशेष लक्षण के सर्वाइकल कैंसर को पैदा कर सकता है, इसलिए एचपीवी संक्रमण से बचने के लिए हमें सरकार द्वारा जारी अभियान में जुडक़र एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाना चाहिए। एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता ने लाडवा उपमंडल के क्षेत्र में लगने वाले सभी गांवों के सरपंचों के साथ एचपीवी टीकाकरण को लेकर एक सभा का आयोजन किया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनीत व भारती वर्मा स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सरपंच अपने स्तर पर गांव में जाकर विशेष सभाओं का आयोजन करें, जिसमें सभी अभिभावक जिनके 14 से 15 साल की बच्चियों हैं उनका विशेष रूप से समझाएं। उन्होंने एचपीवी वैक्सीनेशन योजना के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग खासकर महिलाओं को जागरूक करने के लिए सभी सरपंच को आग्रह किया। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलने के लिए आप कभी भी सरकारी अस्पताल लाडवा में संपर्क कर सकते हैं।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सरकार द्वारा 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी लड़कियों में एचपीवी वैक्सीनेशन किया जाना अति आवश्यक है। यह टीकाकरण बाजार में 2500 से 4000 कीमत में लगाया जाता है जबकि सरकारी संस्थान में यह बिल्कुल निशुल्क उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन बिल्कुल ही सुरक्षित है। इससे किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव नहीं है। टीका पूरी तरह से सुरक्षित है तथा सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम करता है। यह टीका नया नहीं है यह टीका वर्ष 2006 में मार्केट में उपलब्ध है। वैक्सीनेशन को प्रभावशाली और सुरक्षा के संबंध में कई अध्ययन भी किया जा चुके हैं।

सराहनीय कार्य : भाविपा ने विद्यालय ने पढ़ने वाली एक बालिका की शिक्षा का सारा खर्च वहन करने की कि पहल

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक बालिका को अच्छी शिक्षा मिले : प्रियंका गोयल

लाडवा, 28 अप्रैल (रामगोपाल) : भारत विकास परिषद लाडवा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत हिन्दू उच्च विद्यालय ने पढ़ने वाली एक बालिका की शिक्षा का सारा खर्च वहन करने की पहल की। प्रकल्प प्रमुख अनीता कालरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के तहत उस बालिका की पूरे वर्ष की फीस विद्यालय प्रशासन को प्रदान की गई। बालिका को पुस्तकें, गणवेश एवं स्टेशनरी का सामान भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य योगिता आहलुवालिया ने इस नेक काम के लिए परिषद सदस्यों का आभार प्रकट किया एवं कहा कि भारत विकास परिषद की यह एक अच्छी पहल है। शिक्षा से बालिका का जीवन उन्नत होगा। महिला संयोजिका प्रियंका गोयल ने कहा कि बहुत से अभिभावक आर्थिक कारणों की वजह से बालिकाओं को शिक्षा से वंचित कर देते हैं। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक बालिका को अच्छी शिक्षा मिले ताकि उनकी भविष्य उज्ज्वल हो सके। इस अवसर पर भारत विकास परिषद लाडवा के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीएनजी कॉलेज में पुलिस सेफ सिटी टीम ने चलाया जागरुकता अभियान

यमुनानगर, 28 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस लगातार शैक्षणिक संस्थानों में जाकर जागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में सेफ सिटी टीम की एएसआई नीलम ने जी.एन.जी. कॉलेज यमुनानगर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराध, साइबर अपराध और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान एएसआई नीलम ने छात्र-छात्राओं को आपातकालीन सेवा से जुड़ी 112 ऐप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में यह ऐप तुरंत पुलिस सहायता उपलब्ध करवाने में सहायक है। मौके पर ही विद्यार्थियों को 112 ऐप डाउनलोड भी करवाया गया और इसके उपयोग की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से खासकर महिलाओं और छात्राओं की यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस सुविधा का उपयोग कर परिवार के सदस्य भी यात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित होती है। साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने के खतरों और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया।

छात्रों को बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुलिस टीम के प्रयासों की सराहना की।

स्वगणना से आसान होगी जनगणना प्रक्रिया : डॉ. चुहड़ सिंह

करनाल, 28 अप्रैल (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कालेज में जनगणना जागरूकता एवं स्वयं गणना विषय पर महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कालेज स्टॉफ, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा इन्हें जनगणना की प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर फील्ड ट्रेनर डा. बीर सिंह ने सभी को स्वगणना तथा जनगणना के बारे में बताते हुए कहा कि जनगणना किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है, क्योंकि इसके माध्यम से देश की जनसंख्या, शिक्षा, संसाधन, खानपान एवं अन्य आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं और सरकार भविष्य की योजनाएं बनाती है। उन्होंने स्वगणना की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति घर बैठे सरकारी पोर्टल के माध्यम से स्वयं और अपने परिवार की गणना कर सकता है और गणना करने के बाद जो 12 अक्षर की आईडी को नोट करने के बाद जब भी कोई प्रांगणक आपके घर जनगणना करने के लिए आए तो उन्हें यह आईडी नोट करवा दें। इससे आपकी जनगणना सरलता से हो जाएगी। कालेज प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह ने कहा कि ये गणना न केवल सरल एवं सुरक्षित है अपितु आकड़ों की शुद्धता को भी दर्शाती है। प्राचार्य ने कहा कि कालेज के लगभग सभी स्टॉफ ने स्वगणना कर ली है और विद्यार्थियों को भी जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रो. अंजु चौधरी, डा. प्रीति, डा. कृष्ण अरोड़ा, डा. अजय कुमार, डा. सोनिया वधावन, प्रो. अनिल कुमार सिंह, डा. कृष्ण राम, डा. जतिंद्र पाल, प्रो. चेष्टा, स्टॉफ तथा विद्यार्थी मौजूद रहे। कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने सफल आयोजन के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ को बधाई दी।

कांग्रेस ने किया देवी रूपी नारी शक्ति का अपमान : जांबा

पूंडरी, 28 अप्रैल (जगदीश चन्द्र) : पूंडरी से विधायक सतपाल जांबा ने विधानसभा में कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी नारी शक्ति वंदन पर जो भी प्रस्ताव लेकर आए हैं, वे उसका पुरजोर समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को नारी उत्थान के साथ ही प्राप्त किया जा सकता है। कांग्रेस पार्टी ने इस प्रस्ताव का बहिष्कार करके देवी रूपी नारी शक्ति का अपमान किया है। पूंडरी से जनता की सेवा में हर समय तत्पर रहने वाले विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जो प्रस्ताव लेकर आए है, वे उसका समर्थन करते है। उनका मानना है कि हमें अगर विकसित भारत का सपना साकार करना है तो नारी को अधिकार देना होगा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को ओर अधिक सार्थक सिद्ध करना है तो विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे महसूस करते हैं कि जब वे राजनीति में आने पर जब किसी कार्यालय में जाते हैं तो वहां पर जो भी महिला अधिकारी मिलती हैं, वे अपेक्षाकृत अधिक ईमानदारी से काम करती हैं। उनकी सोच होती है कि ज्यादा से ज्यादा ईमानदारी बरतें और देश को आगे ले जाएं। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि वे आज राजनीति में यदि समाज सेवा कर रहे हैं तो यह सब इसी वजह से संभव हो पाया है कि मेरी धर्मपत्नी आज मेरा बिजनेस संभाल रही हैं। इसी कारण वे समाज सेवा कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज नारी हर क्षेत्र में सबसे आगे है। अभी मेरी विधानसभा में दसवीं कक्षा में बेटियां आगे हैं। हर जिले में बेटियां इस परीक्षा में आगे हैं।

विधायक ने कहा कि महिला शक्ति का समर्थन करने से विपक्ष क्यों डर रहा है, उन्हें किस बात का डर है, क्यों नहीं किया समर्थन नहीं किया। नारी का श्राप उन्हें ले डूबेगा। विपक्ष ने घोर पाप किया है। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में नारी को नारायणी बताया गया है। देवी का रूप माना गया है। कांग्रेस देवी का अपमान कर रही है। जब तक हम अपनी सोच को बढ़ा नहीं करेंगे, इस देश को विकसित राष्ट्र नहीं बना सकते है। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि वे माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के द्वारा लाए गए नारी शक्ति अधिनियम पर प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करते हैं।

संयुक्त आयुक्त दलजीत सिंह ने पिंगली डेयरी परियोजना स्थल का किया निरीक्षण, डेयरी स्थानांतरित प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

शहर में चल रही अवैध डेयरियों पर इसी सप्ताह होगी सख्त कार्रवाई, प्लॉट धारक 7 दिन में चुकाएं बकाया किश्तें।

करनाल, 28 अप्रैल (परमजीत कौर) : नगर निगम करनाल के संयुक्त आयुक्त दलजीत सिंह ने मंगलवार को पिंगली स्थित डेयरी परियोजना स्थल का निगम अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के फेस-1 व फेस-2, दोनों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को डेयरी स्थानांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण में उनके साथ अधीक्षक मनोज मान व सहायक प्रदीप शर्मा मौजूद रहे।

निशानदेही व अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि परियोजना क्षेत्र में जहां भी निशानदेही का कार्य शेष है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कहीं पर अवैध कब्जा पाया जाता है, तो उसे तुरंत प्रभाव से हटाकर भूमि को खाली करवाया जाए।

निर्माण कार्य में गुणवत्ता व गति पर जोर- उन्होंने डेयरी कॉम्पलैक्स पर निर्माणाधीन चारदीवारी के कार्य का भी निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद एजेंसी प्रतिनिधि को कार्य में गति लाने के साथ-साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं।

परियोजना की प्रगति की दी जानकारी:-संयुक्त आयुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि पिंगली डेयरी परियोजना में कुल 231 प्लॉट निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 137 प्लॉट अब तक आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें से करीब 60 डेयरियां स्थानांतरित होकर संचालित हो रही हैं, जबकि लगभग 40 डेयरियों का निर्माण कार्य जारी है। वहीं 37 प्लॉट धारक ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक डेयरी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध रूप से शहर में संचालित डेयरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए इसी सप्ताह से सीलिंग अभियान शुरू किया जाए, ताकि सभी डेयरियों को नियमानुसार पिंगली डेयरी परियोजना में स्थानांतरित किया जा सके।

बकाया राशि जमा न करने पर प्लॉट होंगे जब्त

संयुक्त आयुक्त ने प्लॉट धारकों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन धारकों द्वारा प्लॉट की किश्तों का भुगतान नहीं किया गया है, वे 7 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि ब्याज सहित नगर निगम कार्यालय में जमा करवाएं। अन्यथा नियमानुसार उनके प्लॉट जब्त कर लिए जाएंगे। इसके अलावा जिन डेयरी संचालकों ने डेयरी स्थानांतरित करने के बावजूद किश्तों का भुगतान नहीं किया है, उन्हें भी 7 दिन का समय दिया गया है। भुगतान न करने पर उनकी डेयरियों को कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

2.48 करोड़ रुपये की रिकवरी

उन्होंने आगे बताया कि जून 2025 से फरवरी 2026 के बीच नगर निगम द्वारा 69 प्लॉट धारकों से कुल 2 करोड़ 48 लाख 43 हजार 200 रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष प्लॉट धारकों से भी शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में डेयरी स्थानांतरित आवश्यक- उन्होंने कहा कि पिंगली डेयरी परियोजना शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए शहर में चल रही डेयरियों को स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में चल रही सभी अवैध डेयरियों को स्थानांतरित किया जा सके।

सहारा पशु मुक्त होगा करनाल, नगर निगम का विशेष बहुआयामी अभियान शुरू

करनाल, 28 अप्रैल (संदीप रोहिला) : महापौर रेणु बाला गुप्ता ने शहर को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के उद्देश्य से एक विशेष बहुआयामी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में व्यवस्थित ढंग से अलग-अलग विशिष्टि के आधार पर टीमों की तैनाती की जाएगी, ताकि इस कार्य को तेज गति और प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा सके। महापौर ने बताया कि नगर निगम का उद्देश्य करनाल शहर को सही मायनों में एक स्मार्ट, सुव्यवस्थित और मॉडल शहर के रूप में विकसित करना है।

इसके लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले पूरे क्षेत्र को पूरी तरह बेसहारा पशु मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान के तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में सभी बेसहारा पशुओं को वन्य एवं पर्यावरण संबंधी नियमों का पूर्ण अनुपालन करते हुए नंदी शालाओं में पहुंचाया जाएगा, जहां उनकी बेहतर देखरेख सुनिश्चित की जाएगी।

इससे एक ओर पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिलेगा, वहीं दूसरी ओर शहर की यातायात व्यवस्था, स्वच्छता और नागरिक सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि यह विशेष अभियान केवल नगर निगम का नहीं, बल्कि पूरे शहर का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस मुहिम में सक्रिय सहयोग और सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि करनाल को एक आदर्श और व्यवस्थित शहर के रूप में स्थापित किया जा सके।

उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि यदि सभी लोग मिलकर इस दिशा में एकजुट होकर कार्य करेंगे, तो करनाल न केवल हरियाणा बल्कि देश-विदेश के मानचित्र पर एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरेगा।

जनभागीदारी से बनेगा आदर्श करनाल

महापौर ने नागरिकों के साथ-साथ शहर की सभी सामाजिक संस्थाओं से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि करनाल को एक आदर्श शहर बनाने के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा। निगम द्वारा इस अभियान के लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा, जो न केवल मैदानी स्तर पर कार्य करेंगी, बल्कि सामाजिक संस्थाओं के साथ निरंतर संपर्क और संवाद भी बनाए रखेंगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही करनाल शहर को देश-प्रदेश के मानचित्र पर एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

गो ग्रीन गाला का आयोजन- नन्हें बच्चों में आत्मविश्वास एवं संस्कारों का विकास

बरनाला, 28 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) भारत के टॉप 50 स्कूलों में मान्यता प्राप्त वाईएस पब्लिक स्कूल द्वारा नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए रंगारंग 'गो ग्रीन गाला' का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य नन्हे बच्चों को पहला स्टेज अनुभव देना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा प्रकृति, पारिवारिक जुड़ाव और मूल्यों के प्रति जागरूक बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान हरे रंग की थीम पर सजे नन्हे-मुन्नों ने आकर्षक रैंप वॉक प्रस्तुत की और अपनी वेशभूषा के अनुसार आत्मविश्वास के साथ अपना परिचय देकर सभी का मन मोह लिया। यह मंच बच्चों के लिए पहला स्टेज
अनुभव साबित हुआ, जिसने उनके भीतर आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण पैरेंट्स कनेक्ट रहा, जिसमें अभिभावकों को बच्चों के साथ आमंत्रित किया गया। रंग भरने की गतिविधियों, रोचक खेलों और सहभागितापूर्ण कार्यक्रमों ने अभिभावकों, विद्यार्थियों और स्कूल के बीच संबंधों को और मजबूत किया। इस अवसर पर बच्चों और अभिभावकों के साथ यादगार तस्वीरें भी खींची गईं, जिन्हें परिवारों को स्मृति-चिन्ह के रूप में भेंट किया गया, जिससे यह कार्यक्रम जीवन के क्षण बन गया। यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संस्कारों और मूल्यों पर आधारित रहा। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और साथ मिलकर सीखने की भावना को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल श्री मोहित जिंदल ने कहा, 'गो ग्रीन गाला बच्चों के लिए पहला मंच अनुभव देने, पैरेंट्स कनेक्ट मजबूत करने और मूल्यों को अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से विकसित करने का प्रयास है।

नन्ही आवाज़ों में आत्मविश्वास की गूंज—एलकेजी व यूकेजी के विद्यार्थियों ने 'माय इंट्रोडक्शन' में बिखेरा व्यक्तित्व का आकर्षण

बरनाला, 28 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल)बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में एलकेजी और यूकेजी कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों के लिए' माय इंट्रोडक्शन'प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल और मंच पर बोलने की क्षमता का विकास करना था। कार्यक्रम ने नन्हे विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया।प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपने-अपने अंदाज में मंच पर आकर अपना परिचय दिया। किसी ने अपना नाम, कक्षा और पसंदीदा खेल बताया, तो किसी ने अपने परिवार, रुचियों और सपनों के बारे में आत्मविश्वास के साथ साझा किया।विद्यालय के प्रबंधन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने कहा कि आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है, और इस प्रकार के मंच बच्चों को अपने विचारों को व्यक्त करने का साहस प्रदान करते हैं। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी, श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और संचार कौशल को विकसित करते हैं, जो उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसीपल श्रीमती मनिंदरजीत कौर धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही मंच प्रदान करना आवश्यक है, ताकि वे अपनी झिझक को दूर कर सकें और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त कर सकें। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरे पर खुशी, उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इस प्रकार, बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित' माय इंट्रोडक्शन' प्रतियोगिता नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला अनुभव सिद्ध हुई, जिसने उनके व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक मजबूत नींव रखी।

जय वाटिका पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद चुनाव

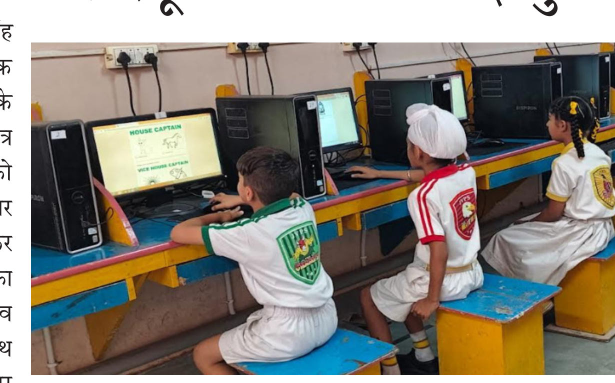

बरनाला, 28 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) जय वाटिका पब्लिक स्कूल बरनाला इन दिनों लोकतंत्र के रंगों से सराबोर नजर आ रहा है। छात्र परिषद चुनाव ने पूरे विद्यालय को उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा से भर दिया, जहाँ हर विद्यार्थी ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत नामांकन के साथ हुई, जिसमें हेड बॉय, हेड गर्ल, कल्चर कैप्टन, डिसिप्लिन कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन , सभी हाउसों के कप्तान और उप कप्तान सहित विभिन्न पदों के लिए विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ अपने नाम प्रस्तुत किए। इसके बाद दूसरे चरण में जज पैनल द्वारा उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए गए, जहाँ छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ अपने विचार, योजनाएँ और नेतृत्व गुणों को प्रस्तुत किया। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, विद्यालय का माहौल परी तरह चुनावी रंग में रंग गया। तीसरे चरण में प्रचार-प्रसार ने सभी का ध्यान आकर्षित किया—रंग-बिरंगे पोस्टर, प्रभावशाली स्लोगन और दमदार भाषणों के जरिए उम्मीदवारों ने अपने साथियों का दिल जीतने की पूरी कोशिश की। अंततः चौथे चरण में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई, जो पूरी तरह शांतिपूर्ण, गुप्त और निष्पक्ष रही। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को वोट दिया। यह नज़ारा किसी वास्तविक चुनाव से कम नहीं था। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. परविंदर कौर ने इस अवसर पर कहा, ऐसे आयोजन छात्रों में नेतृत्व, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ विकसित करते हैं। यह केवल चुनाव नहीं, बल्कि जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण सीख है।

अब पूरे विद्यालय की नजरें आगामी इन्वेस्टिचर सेरेमनी पर टिकी हैं, जहाँ नव-निर्वाचित प्रतिनिधियो को औपचारिक रूप से पदभार सौंपा जाएगा। छात्र इस खास पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो उनके प्रयासों और सपनों को एक नई पहचान देगा।

पांच रुपये में मिलेगा थैला, फ्रूट मार्केट में लगी क्लॉथ बैग वेंडिंग मशीन का मेयर ने किया उद्घाटन

यमुनानगर, 28 अप्रैल (दिनेश कुमार) : सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम ने सर्व जागरूक संगठन के सहयोग से शहर में एक नई पहल की शुरूआत की है। इसके चलते संत निरंकारी सत्संग भवन के सामने सुलभ शौचालय के बाहर फ्रूट मार्केट के पास क्लॉथ बैग वेंडिंग मशीन स्थापित की गई, जिसका मंगलवार को मेयर सुमन बहमनी ने उद्घाटन किया। इस पहल के माध्यम से आमजन मात्र 5 रुपये का सिक्का डालकर मशीन से कपड़े का थैला प्राप्त कर सकेंगे। उद्घाटन अवसर पर मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है और इससे बचाव के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह वेंडिंग मशीन लगाई गई है, जिससे लोगों को पॉलिथीन के विकल्प के रूप में आसानी से कपड़े के थैले उपलब्ध हो सकेंगे। मेयर ने शहरवासियों से आह्वान किया कि वे खरीदारी के दौरान पॉलिथीन का उपयोग बंद करें और कपड़े के थैलों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल प्लास्टिक प्रदूषण को कम करेगी, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी।

मेयर सुमन बहमनी ने इस सराहनीय पहल के लिए सर्व जागरूक संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पायल रावत, जिला प्रधान नेहा और संगठन के अन्य पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों के सहयोग से ऐसे जनहित कार्यों को और गति मिलती है। मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल ने कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों की आदतों में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। आमजन से अपील है कि वे बाजार में खरीदारी करने जाते समय घर से कपड़े का थैला साथ लेकर आए और पॉलिथीन को रोक लगाने में अपना योगदान दें। सर्व जागरूक संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. पायल रावत ने बताया गया कि इस वेंडिंग मशीन का उद्देश्य लोगों को आसान और किफायती तरीके से कपड़े के थैले उपलब्ध कराना है, ताकि बाजारों में पॉलिथीन के उपयोग को कम किया जा सके। फ्रूट मार्केट जैसे व्यस्त क्षेत्र में मशीन लगाए जाने से बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा सकेंगे।

मौके पर नगर निगम सोशल मीडिया प्रभारी मुक्ता, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के आईईसी विशेषज्ञ आकाश, वीरेंद्र त्यागी, विभा गुप्ता, इशिका माधवी आदि मौजूद रहें।

दिल्ली में हीट वेव एक्शन प्लान लागू, दोपहर 12 से 3 बजे तक श्रमिकों के काम पर रोक

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की विस्तृत समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने अपनी रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है। साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा न रहे। बहुत अधिक हीट वेव की अवस्था में निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्यस्थलों पर पानी ही नहीं, बल्कि धूप से बचाव के लिए कैप (टोपी) और गमछे के साथ जरूरत पड़ने पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। दोपहर 12:00 से 03:00 बजे के बीच बाहरी कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के थर्मल हाटस्पाट और हीट आइलैंड क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने पेश नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को चिट्ठी लिखकर कहा है कि वह आबकारी मामले में सीबीआई की अपील याचिका पर उनके सामने स्वयं या वकील के जरिए पेश नहीं होंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि स्वर्ण कांता शर्मा जो भी निर्णय करेंगी, उसे वह स्वीकार करेंगे। उन्होंने पत्र में कहा मेरी जस्टिस स्वर्णकांता जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। केजरीवाल ने कहा है कि मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए फैसला किया है और इसलिए मैंने गांधी जी के सत्याग्रह पे चलने का फैसला लिया है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें जस्टिस स्वर्ण कांता से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है और जस्टिस स्वर्णकांता जो फैसला करेंगी उन्हें स्वीकार होगा और फैसले के खिलाफ वे कानून के तहत सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

रोहिणी के वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में गंभीर अनियमितताएं

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) रोहिणी सेक्टर-13 स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में राज्य शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने लगातार दो दिन आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंभीर प्रशासनिक, वित्तीय और सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं सामने आई हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्कूल बिना वैध फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के संचालित हो रहा था। बार-बार निरीक्षण के बावजूद आवश्यक सुरक्षा मानकों की कमी के कारण फायर विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया। स्कूल में संचालित स्विमिंग पूल भी बिना लाइसेंस के चल रहा था और उसमें बुनियादी सुरक्षा प्रविधानों का अभाव पाया गया। न तो गहराई का स्पष्ट संकेत था और न ही कार्यशील ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध पाया गया। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी प्राइवेट स्कूलों की जांच की जा रही है और गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्हें टेकओवर कर लिया जाएगा। दिल्ली सरकार ने इस पूरे मामले में विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि गंभीर अनियमितताओं के मद्देनजर डीडीए द्वारा लीज रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है, स्कूल का सरकारी टेकओवर किया जा सकता है और वित्तीय लेनदेन की विशेष आडिट कराया जाएगा ताकि मनी लान्ड्रिंग जैसे आरोपों की भी जांच हो सके। यह भी उल्लेखनीय है कि इस स्कूल को डीडीए द्वारा किफायती शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लीज पर भूमि प्रदान की गई थी, लेकिन प्राथमिक जांच में यह संस्था लाभ कमाने का माध्यम बनती दिखाई दे रही है।

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में दूसरा सफल डबल हैंड ट्रांसप्लांट महिला को मिला नया जीवन

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल ने दूसरी बार दोनों हाथों का सफल ट्रांसप्लांट कर इतिहास रचा है। खेत में चारा मशीन से हाथ गंवाने वाली एक युवा महिला पर यह 12 घंटे की सर्जरी की गई। अब महिला तेजी से ठीक हो रही है। डॉक्टरों ने इसे जीवन बदलने वाली सर्जरी बताया और अंगदान, विशेषकर हाथों के दान, के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जरी और माइक्रो सर्जरी विभाग ने फिर से एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अस्पताल में दूसरी बार दोनों हाथों का सफल ट्रांसप्लांट किया गया। यह सर्जरी एक युवा महिला पर की गई, जिसने खेत में काम करते समय चारा काटने वाली मशीन के हादसे में अपने दोनों हाथ खो दिए थे। हादसे के बाद वह पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो गई थी और अस्पताल की ट्रांसप्लांट वेटिंग लिस्ट में थी। जानकारी के मुताबिक, एक महिला के एक हादसे में दोनों हाथ कट गए थे। महिला के परिजनों ने बताया कि खेत में काम करते समय चारा काटने वाली मशीन से दोनों हाथ कट गए थे। अस्पताल को एक ब्रेन-डेड डोनर मिला, जिसके परिवार ने अंगदान के साथ-साथ हाथ दान करने की भी अनुमति दी। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने करीब 12 घंटे लंबी सर्जरी कर दोनों हाथों का सफल ट्रांसप्लांट किया। वहीं डॉक्टरों ने इसे जिंदगी बदल देने वाली सर्जरी बताया। डॉक्टरों के अनुसार, मरीज की हालत अब स्थिर है और वह तेजी से ठीक हो रही है। अस्पताल ने बताया कि यह सर्जरी टीम वर्क का बेहतरीन उदाहरण है। इसमें प्लास्टिक सर्जन के अलावा ऑर्थोपेडिक सर्जन, नेफ्रोलॉजिस्ट, साइकियाट्रिस्ट, आईसीयू विशेषज्ञ, एनेस्थीसिया टीम और फिजियोथेरेपिस्ट की अहम भूमिका रही। वहीं इस सफल सर्जरी के बाद महिला के परिजनों ने खुशी व्यक्त की। महिला के परिजनों ने कहा कि डॉक्टर वाकई में धरती के भगवान हैं। डॉक्टरों की टीम ने करीब 12 घंटे लंबी सर्जरी कर दोनों हाथों का ट्रांसप्लांट किया।

सीएम मान ...

पृष्ठ एक का शेष ...केंद्र का दौरा किया और नीदरलैंड्स इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा पंजाबी समुदाय से बातचीत की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि हमारे जैसी खुली खेती में एक वर्ग मीटर में 6 किलो टमाटर पैदा होते हैं, जबकि वहां पॉलीहाउस में एक वर्ग मीटर में टमाटर का उत्पादन 100 किलो है। उन्होंने आगे कहा, प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी निवेश और विश्वव्यापी साझेदारी को प्रोत्साहित करने तथा सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवाचार क्षेत्रों में अवसरों की पड़ताल के उद्देश्य से निवेश रोड शो भी किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक और बागवानी मॉडलों को अपनाने, स्टार्ट-अप्स, अनुसंधान और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने तथा पंजाब को विश्व स्तरीय निवेश और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार के प्रयासों ने वांछित परिणाम दिए क्योंकि मोहाली में एक अनुसंधान और विकास केंद्र तथा नवाचार हब का प्रस्ताव पेश किया गया था। पंजाब में एक बागवानी अनुभव और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना को भी मंजूरी दे दी गई है। प्रवासी पंजाबी बेअदबी विरोधी कानून बनाने और पहली बार किसी पंजाबी प्रतिनिधि मंडल द्वारा नीदरलैंड का दौरा करने पर वे बहुत खुश हैं।उन्होंने आगे कहा, विदेशी कंपनियां राज्य में निवेश और साझेदारी के लिए मजबूत दिलचस्पी दिखा रही हैं, जो प्रौद्योगिकी ट्रांसफर, अनुसंधान और स्टार्ट-अप्स में सहयोग के लिए नए अवसर खोलेगी।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह फसल विविधीकरण और उच्च तकनीकी खेती को भी प्रोत्साहित करेगा, जिससे पंजाब का विश्व पटल पर एक नवाचार-आधारित और निवेशक-अनुकूल राज्य के रूप में मजबूत अक्स बनेगा।उन्होंने आगे कहा, 20 अप्रैल को मैं महान डच हॉकी खिलाड़ी फ्लोरिस जान बोवलैंडर से मिला।

5 करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) बरेली से हेरोइन लाकर दिल्ली समेत एनसीआर में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच ने मुख्य सप्लायर समेत दो तस्करों को दबोचा है। इनके कब्जे से पांच करोड़ की कीमत की 456 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बरेली के मुख्य सप्लायर सोइब खान और जावेद हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर ड्रग्स आपूर्तिकर्ता और गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है। उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, 10 अप्रैल को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर टीम ने दिल्ली के गाजीपुर इलाके में छापेमारी कर जावेद हुसैन को गिरफ्तार किया। उसके पास से कुल 456 ग्राम बढ़िया क्वालिटी की हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित जावेद ने बताया कि बरामद की गई ड्रग्स उसने बरेली के सोइब खान से खरीदी थी। इसके बाद, आरोपित जावेद की पुलिस कस्टडी रिमांड ली गई और 22 अप्रैल को स्थानीय पुलिस की मदद से बरेली में उसकी निशानदेही पर छापेमारी की गई।

लक्ष्य पूरे करना भी जरुरी-सैनी

पृष्ठ एक का शेष ... सिंह सैनी ने एक्शन प्लान संबंधित हिदायत देते हुए कहा कि आगामी 5 वर्षों की प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएं और उन्हें वर्ष-दर-वर्ष मापने योग्य बनाया जाए, ताकि प्रगति की नियमित समीक्षा संभव हो सके। उन्होंने कहा कि सभी समय-सीमाएं यथार्थवादी होने के साथ-साथ महत्वाकांक्षी भी हों और योजनाएं जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाने वाली हों। मुख्यमंत्री ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने, लक्ष्यों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही तय करने तथा एक मजबूत मॉनिटरिंग तंत्र विकसित करने पर जोर दिया, ताकि एक्शन प्लान का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

विजन 2047 का लक्ष्य निर्धारित कर नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा विभाग कार्य करें – बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी विभाग के विजन के बारे में बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विजन 2047 का लक्ष्य निर्धारित कर नई शिक्षा नीति के तहत विभाग अनुसार कार्य करें ताकि हर साल पूरी तत्परता से कार्य करते हुए वांछित लक्ष्य हासिल किया जा सके। इसके लिए उच्चतर शिक्षा पर विशेष फोकस किया जाए ताकि युवाओं को गुणवत्तायुक्त एवं रोजगारपरक शिक्षा सुलभ हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों को देश भर के प्रतिष्ठित आईआईटी जैसे शिक्षित संस्थानों की तर्ज पर ग्रेडिंग में लाने के लिए नई शिक्षा नीति के तहत कार्य करें ताकि उच्च गुणवतायुक्त शिक्षा भी सुलभ करवाई जा सके। इसके अलावा उनके सौन्दर्यकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों को अव्वल बनाने के लिए बेहतर कार्य करने वाले विश्वविद्यालयों को शिक्षा में सुधार करने के लिए 5-5 करोड़ रुपए की ग्रांट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों में वर्ष 2047 तक सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत होना चाहिए जो वर्तमान में 31 प्रतिशत है।

एनईपी में हर जिला स्तर पर मॉडर्न संस्कृति महाविद्यालय खोले जाएगें जिनका चयन कर लिया गया है। इनमें वर्ष 2028 तक आवश्यक कैम्पस तैयार किए जाएंगे। इसी प्रकार 50 प्रतिशत कौशल से संबंधित कोर्स शुरू किए जाऐंगे।

क्या दिल्ली विधानसभा में भी घट जाएगी आप की संख्या

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) राघव चड्ढा ने लंबे समय के बाद आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने बीजेपी ज्वाइन कर ली है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा में पार्टी की संख्या घटने की अटकलें लगना शुरू हो गई हैं। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार (24 अप्रैल) को आम आदमी पार्टी का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इस बीच अब दिल्ली में पार्टी की स्थिति और गणित बिगड़ने को लेकर कयास लगना शुरू हो गए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली विधानसबा में भी आम आदमी पार्टी की संख्या घट जाएगी? क्या राघव के बीजेपी में शामिल होने पर दिल्ली विधानसभा में भी आप का गणित बिगड़ेगा? राघव चड्ढा ने राज्यसभा के दो-तिहाई सदस्यों के साथ आम आदमी पार्टी को बाय बोल दिया है। आप के राज्यसभा में 10 सांसद हैं। इसमें से 7 के बीजेपी में शामिल होने की खबर सामने आते ही सियासी भूचाल आ गया है। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है। पार्टी को अपने विधायकों को एकजुट करने के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। सूत्रों का कहना है कि इस सियासी घटनाक्रम से दिल्ली में 5 से 7 विधायकों पर भी असर पड़ सकता है। जो आप के लिए बहुत बड़ी चिंतनीय बात है। दिल्ली विधानसभा में पार्टी की वर्तमान स्थिति साल 2015 में 67 विधायकों की संख्या थी, जो अब सिर्फ 22 पर सिमट कर रह गई है। 2015 और 2020 में पार्टी ने 70 में 67 और 62 सीटों पर जीत हासिल की थी। अब अगर आम आदमी पार्टी से 7 और विधायक निकल जाते हैं तो दिल्ली विधानसभा में पार्टी सिर्फ 15 सीटों की संख्या पर रह जाएगी। दिल्ली विधानसभा में पार्टी के 22 विधायकों में से 15 को दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए सदन में मुख्य विपक्षी दल से पाला बदलना होगा। एक सूत्र ने बताया कि बीजेपी की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। 2027 में होने वाले चुनावों से पहले पंजाब में आम आदमी पार्टी के पूर्व नेताओं को थोपकर भगवंत मान सरकार पर आरोप लगाना। कहा जा रहा है कि राघव चड्ढा को जनसमर्थक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो इस मामले में बीजेपी के लिए कामगर हो सकते हैं, क्योंकि दलबदल करने वाले अन्य लोग जन नेता नहीं हैं। शुक्रवार को चड्ढा की घोषणा राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के तीन सप्ताह बाद आई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मर्डर केस में छलका डिलीवरी बॉय की मां का छलका दर्द

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल में तैनात हेड कांस्टेबल नीरज बलहारा ने रावता गांव में रविवार तड़के मामूली विवाद के बाद अपनी सर्विस पिस्टल से गोली चलाकर 21 वर्षीय डिलीवरी एजेंट पांडव की हत्या कर डाली। जबकि, एक युवक घायल हुआ है। आरोप है कि पुलिसकर्मी नशे में था और पीड़ितों के बिहार से होने पर नस्लीय टिप्पणी कर रहा था। आरोपी को रोहतक से गिरफ्तार कर लिया गया है। राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां कानून के एक रक्षक ने ही भक्षक का रूप धारण कर लिया। जाफरपुर कलां इलाके के रावता गांव में रविवार तड़के दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने मामूली विवाद के बाद अपनी सर्विस पिस्टल से गोली चला दी। इस गोलीबारी में 21 वर्षीय फूड डिलीवरी एजेंट की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त घायल हुआ है। यह दुखद सिलसिला शनिवार रात एक जन्मदिन की पार्टी से शुरू हुआ। रावता गांव में रहने वाले रूपेश कुमार (मूल निवासी खगड़िया, बिहार) के दो वर्षीय बेटे का जन्मदिन था। इस समारोह में लगभग 20 लोग शामिल हुए थे, जिनमें रूपेश के रिश्तेदार और दोस्त थे। केक काटने और खुशियां मनाने के बाद, रात करीब 2 बजे मेहमान वापस जाने की तैयारी करने लगे। करीब 13 लोग, जिनमें दो छोटे बच्चे भी शामिल थे, मुख्य सड़क पर सवारी के इंतजार में खड़े थे। इसी दौरान पांडव (21), कृष्ण (30) और दीपक (21) एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकलने लगे, जबकि उनके अन्य साथी स्कूटर पर थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- जब यह समूह सड़क पर था, तब वहां रहने वाला नीरज बलहारा (35) नाम का व्यक्ति उनके पास आया। नीरज दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात है।

महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दो दोषियों की सजा बरकरार

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) शिवपुरी में 1997 में लूटपाट के दौरान एक महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को दो दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ दोषी करार देने के निर्णय को चुनौती देने वाली अपीलकर्ताओं की याचिका को खारिज करते हुए सजा को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों में कोई विकृति या गैर-कानूनी बात नहीं पाई गई है और दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने मामला साबित किया है। पीठ ने कहा कि अपील याचिकाएं खारिज की जाती हैं और अपीलकर्ता अनिल कुमार और सूर्य नारायण को दी गई सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाता है। साथ ही पीठ ने शेष सजा काटने के लिए दोनों को एक सप्ताह के भीतर जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि आत्मसमर्पण नहीं करने पर पुलिस गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

8वाँ वेतन आयोग-ये लोगों की बचत और निवेश की आदत को बेहतर करेगा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (निस) नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग के गठन के अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत दिए है। इसका कुल वित्तीय बोझ केंद्रीय कर्मचारियों पर 3.7 से 3.9 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2016 के सातवें वेतन आयोग से करीब चार गुना अधिक होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी केवल इस विशाल खर्च में नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के खर्च और बचत व्यवहार में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तन में छुपी है। इतिहास के मुताबिक भारत में प्रत्येक वेतन आयोग ने एक नई खपत लहर को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 में पांचवें वेतन आयोग के बाद, मध्य वर्ग के पास अतिरिक्त पैसा आया और उन्होंने स्कूटर छोड़कर सीधे बाइक का रुख किया, जिससे हीरो होंडा, बजाज ऑटो और टीवीएस जैसी कंपनियों को बड़ा मौका मिला। इसके बाद, 2008 में छठे वेतन आयोग के दौरान, जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही थी, तब भारत में सरकारी कर्मचारियों ने कार और घर खरीदे। मारुति सुजुकी की बिक्री में सरकारी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई, और एचडीएफसी जैसे आवास ऋण प्रदाताओं का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं 2016 के सातवें वेतन आयोग ने हालांकि खपत से अधिक निवेश की आदत को प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसआईपी निवेश 3,122 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ हो गया, जो यह दिखाता है कि भारतीय परिवारों ने सोने और संपत्ति से हटकर शेयर बाजार में निवेश करना शुरु किया है।

वर्ष 2026 में आने वाला आठवां वेतन आयोग बीते सभी वेतन आयोगों से अलग और सबसे बड़ा बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। इस बार सिर्फ वेतन वृद्धि ही नहीं, बल्कि तीन बड़े बदलाव एक साथ हो रहे हैं। पहला, केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी बढ़ेगी, जिससे करीब 50 लाख कर्मचारियों और 65-70 लाख पेंशनर्स को 30-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी मिल सकती है। यह पैसा मुख्य रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में खर्च होगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी। दूसरा, राज्य सरकारें भी खर्च बढ़ाएंगी क्योंकि राज्यों के लगभग 80 लाख कर्मचारी भी वेतन बढ़ोतरी का लाभ उठाएंगे। कुल मिलाकर, केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों के लिए यह रकम 7-8 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है, जो सीधे अर्थव्यवस्था में बंपर पैसा डालेगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नए श्रम कानून के कारण आएगा, जिसने सैलरी स्ट्रक्चर को बदल दिया है। अब मूल वेतन और महंगाई भत्ता (बेसिक +डीए) कुल सीटीसी का कम से कम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य हो गया है। इससे भविष्य निधि (पीएफ) और सेवानिवृत्ति बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, 50,000 सैलरी वाले कर्मचारी का पीएफ 3,600 से बढ़कर 6,000 तक हो सकता है। यह बदलाव करीब 10 करोड़ कर्मचारियों को प्रभावित करेगा और लंबी अवधि में लाखों करोड़ की बचत बनाएगा। इस अतिरिक्त धन का खर्च विभिन्न वर्गों में अलग-अलग तरीके से होगा। मध्यम आय वर्ग पैसे को कार, घर, यात्रा, एसआईपी और अन्य निवेशों के साथ-साथ निजी शिक्षा पर खर्च करेगा। वहीं, निम्न आय वर्ग खाना, गैस, मोबाइल, बच्चों की पढ़ाई, छोटे ऋणों की ईएमआई चुकाने और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर खर्च करेगा। यही तेजी से घूमने वाला पैसा अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा।

अरविंद केजरीवाल को राघव चड्ढा नहीं एक दूसरे सांसद के जाने से हुआ है सबसे बड़ा नुकसान

नई दिल्ली 28 अप्रैल (निस) आम आदमी पार्टी में अब तक की सबसे बड़ी टूट ने अरविंद केजरीवाल को बहुत बड़ा झटका दिया है। राघव चड्ढा से हरभजन सिंह तक कई बड़े चेहरे पार्टी को छोड़कर भाजपा में चले गए। हालांकि, केजरीवाल को सबसे बड़ा झटका संदीप पाठक के साथ छोड़ने से लगा है। 24 अप्रैल 2026, आम आदमी पार्टी के इतिहास की जब भी बात होगी तो इस दिन को जरूर याद किया जाएगा। इसलिए नहीं कि इस दिन इसके युवा चेहरे राघव चड्ढा ना पार्टी छोड़ दी, बल्कि इसलिए कि अरविंद केजरीवाल की टीम में पहली बार इतनी बड़ी टूट हुई है। पार्टी का संसदीय दल टूट गया और बागी गुट ने एक तिहाई सदस्यों के साथ भाजपा में विलय कर लिया। हालांकि, आप के लिए इस आंकड़े से भी बड़ा एक सदमा यह है कि जिसके हाथ में संगठन की कमान थी, उसने भी अचानक ही सबकुछ छोड़कर भाजपा में जाने का ऐलान कर दिया। आप की गतिविधियों और कामकाज पर नजर रखने वाले राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राघव चड्ढा या किसी अन्य सांसद के जाने के मुकाबले संदीप पाठक को लेकर पार्टी को सबसे ज्यादा बड़ा नुकसान हुआ है। 2022 में जब आम आदमी पार्टी ने पंजाब से हरभजन सिंह और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल समेत कुछ चेहरों को राज्यसभा का सांसद बनाया तो सबसे ज्यादा चर्चा संदीप पाठक को लेकर ही हुई, क्योंकि बहुत कम लोग उन्हें जानते थे। हालांकि, पर्दे के पीछे रहकर काम करते हुए पार्टी में उनका कद बहुत बड़ा हो चुका था और इसलिए अरविंद केजरीवाल ने उन्हें उच्च सदन का सदस्य बनाकर संभवतः उनके योगदान का सम्मान किया था। 2016 में आम आदमी पार्टी जॉइन करने वाले संदीप पाठक की सार्वजनिक मंचों से उपस्थिति जितनी कम दिखती थी, पार्टी के भीतर उनका कामकाज उतना ही बड़ा था। पिछले कुछ सालों में उनका कद, काम और केजरीवाल का उन पर भरोसा बहुत तेजी से बढ़ा था। यही वजह है कि जब शुक्रवार को तीन राज्यसभा सांसदों ने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर पार्टी के संसदीय दल को तोड़ने का ऐलान किया तो संदीप पाठक को देखकर आप को सबसे अधिक दुख और चिंता हुई होगी।